संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-265 गुरूवार, 27 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लोकसभा अध्यक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को दी मंजूरी

» कांग्रेस का कहना है कि सरकार पर से लोगों का भरोसा टूट रहा
» हम चाहते हैं कि पीएम मोदी मणिपुर के बारे में बात करें
» आखिर लोकसभा में दाखिल होगा अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)। संसद में मानसून सत्र का आज पांचवां दिन है। कांग्रेस और बीआरएस ने मणिपुर मुद्दे पर मोदी सरकार के खिलाफ दो अलग-अलग अविश्वास प्रस्ताव नोटिस दिए थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रस्ताव के नोटिस को मंजूरी दे दी है।
कांग्रेस का कहना है कि सरकार से लोगों का भरोसा टूट रहा है। कांग्रेस ने कहा- हम चाहते हैं कि पीएम मोदी मणिपुर के बारे में बात करें, लेकिन वह सुन नहीं रहे हैं, इसलिए हमने अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया है।
लोकसभा में सरकार के खिलाफ कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के अविश्वास प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। प्रस्ताव को सदन के जरूरी 50 सदस्यों का समर्थन मिल गया है। सुबह 9.20 बजे उन्होंने लोकसभा में महासचिव के कार्यालय में अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था।
मणिपुर में 3 मई से हिंसा जारी है। मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर मानसून सत्र हंगामेदार है। विपक्षी दल मांग कर रहे हैं कि पीएम मोदी सदन में इस मुद्दे पर बोलें और विस्तार से चर्चा करें। गृहमंत्री अमित शाह के जवाब के मुताबिक सरकार चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन मोदी बात करने को तैयार नहीं हैं। इसके चलते विपक्ष इस मुद्दे पर अड़ा हुआ है।
तो फिर मोदी सरकार को साबित करना होगा बहुमत,

अविश्वास प्रस्ताव लाने से सरकार को मणिपुर संविधान पर लंबी बहस के लिए मजबूर होना पड़ेगा

मणिपुर घटना पर संसद में हंगामे के बीच अब विपक्षी दल ने लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। आखिरकार विपक्ष ने केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। कांग्रेस के विशेष प्रतिनिधि गौरव गोगई ने आज लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल किया।
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रस्ताव स्वीकार कर आदेश दे दिया। ऐसे में मोदी सरकार को लोकसभा में बहुमत साबित करना पड़ सकता है। इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि यह प्रस्ताव सिर्फ जीतने के लिए नहीं लाया जा रहा है बल्कि सरकार की तानाशाही के खिलाफ यह आवाज उठाई गई है। इंडिया गठबंधन के नेताओं का मानना है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से सरकार को मणिपुर मुद्दे पर लंबी बहस के लिए मजबूर होना पड़ेगा और इस दौरान प्रधानमंत्री को जवाबदेह ठहराया जा सकेगा। विपक्षी नेता अविश्वास प्रस्ताव पर सहमत हो गए हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि वह आज लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। इसी के तहत सांसद गौरव गोगई ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया।

बंगाल स्कूल भर्ती में घोटाला

अभिषेक बनर्जी का मामला उसी जज की पीठ के पास लौटा,जिन्होंने सुनवाई से खुद को किया था अलग

कोलकाता ,26 जुलाई 2023 (ए)। कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिव गणनम ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की याचिका से जुड़े मामले को उसी न्यायाधीश की अदालत में लौटा दिया है, जिन्होंने पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील की आपत्तियों के बाद मामले में सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।
बनर्जी ने अदालत के पहले के आदेश को चुनौती दी है जिसमें केंद्रीय एजेंसियों को पश्चिम बंगाल में स्कूल भर्ती मामले में उन्हें तलब करने की अनुमति दी गई थी।
न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष, जो सोमवार को मामले की सुनवाई से अलग हो गए थे, अब बुधवार को मामले की फिर से सुनवाई करेंगे।
उन्होंने ईडी की आपत्तियों के बाद सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। ईडी के वकील ने कहा था कि इस घोटाले से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की एकल-न्यायाधीश पीठ में की जानी चाहिए, जहां मामले में प्रमुख मामले लंबित हैं।
इसके बाद, न्यायमूर्ति घोष ने सुनवाई से खुद को अलग करते हुए कहा कि वह मामले की दोबार सुनवाई तभी करेंगे जब कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से ऐसा निर्देश मिले। बुधवार सुबह मुख्य न्यायाधीश के आदेश से साफ हो गया कि मामले की सुनवाई जस्टिस घोष की एकल पीठ ही करेगी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विमान का पिछला हिस्सा टकराया

» इंडिगो पायलटों के लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)।अहमदाबाद एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा टकरा गया। इस घटना के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के एक कैप्टन का लाइसेंस तीन महीने और एक सह-पायलट का लाइसेंस एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई 15 जून को हुई विमान दुर्घटना को लेकर की गई है। इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई6595 बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रही थी। एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय विमान का पिछ्ला हिस्सा टकरा गया था।इंडिगो ने एक बयान में कहा था कि विमान को जरूरी असेसमेंट और मरम्मत के लिए अहमदाबाद एयरपोर्ट पर रोक दिया गया था। घटना की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। वहीं जून में, इंडिगो की एक अन्य फ्लाइट को मुंबई में उतरने का प्रयास करते समय चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ा था।

22 वें वर्षगांठ पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पाकिस्तान के साथ 1999 का युद्ध लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। राष्टपति ने एक ट्वीट में कहा, आज कारगिल विजय दिवस के गौरवशाली अवसर पर सभी देशवासी हमारे सशस्त्र बलों के असाधारण पराक्रम से अर्जित विजय को याद करते हैं। देश की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान करके विजय का मार्ग प्रशस्त करने वाले सेनानियों को एक कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से मैं श्रद्धांजलि देती हूं और उनकी स्मृति को नमन करती हूं। उनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी। जय हिंद!प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, कारगिल विजय दिवस भारत के उन अद्भुत पराक्रमियों की शौर्यगाथा को सामने लाता है, जो देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणाशक्ति बने रहेंगे। इस विशेष दिवस पर मैं उनका हृदय से नमन और वंदन करता हूं। जय हिंद!
जवानों को याद करते हुए शाह ने कहा, कारगिल विजय दिवस करोड़ों देशवासियों के सम्मान के विजय का दिन है। यह सभी पराक्रमी योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है जिन्होंने आसमान से भी ऊँचे हौसले और पर्वत जैसे फौलादी दृढ़ निश्चय से अपनी मातृभूमि के कण-कण की रक्षा की। भारत माता के वीर सिपाहियों ने अपने त्याग व बलिदान से इस वसुंधरा की न सिर्फ आन, बान और शान को सर्वोच्च रखा बल्कि अपनी विजित परंपराओं को भी जीवंत रखा। शाह ने कहा, कारगिल की दुर्गम पहाड़ियों पर तिरंगा पुनः गर्व से लहरा कर देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के आपके समर्पण को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से नमन करता हूँ। कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।
कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को उस युद्ध की याद में मनाया जाता है जो मई 1999 में शुरू हुआ था और 26 जुलाई 1999 तक उन पाकिस्तानी घुसपैठियों के खिलाफ लड़ा गया था, जो 1998 की सर्दियों में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र घुस आए थे और कारगिल के द्रास और लद्दाख क्षेत्र के बटालिक सेक्टरों में पैर जमा लिए थे।

बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान हुए हिंसा की जांच सीबीआई से कराई जाए : भाजपा

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)।। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान हुए हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने फैक्ट फाइडिंग टीम पूर्व केंद्रीय मंत्री रवी शंकर प्रसाद के नेतृत्व में बनाई गई बनायी थी, फैक्ट फाइंडिंग टीम जिसके सदस्यों में लोकसभा सदस्य सतपाल सिंह रेखा वर्मा बृजलाल और राजदीप रॉय बंगाल गए थे फैक्ट फाइडिंग टीम ने 12, 13 और 14 जुलाई को पश्चिम बंगाल के विभिन्न पंचायातों में गए और वहां के लोगों से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की।भारतीय जनता पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को फैक्ट फाइडिंग टीम ने अपनी रिपोर्ट सौंपा दिया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बंगाल चुनाव में हुए हिंसा की जांच सीबीआई से कराया जाए। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि देश कब तक खामोश रहेगा विपक्ष इस पर बोलने को तैयार नहीं है वही प्रियंका गांधी महिलाओं के समस्या को लेकर इतनी परेशान दिखती है लेकिन बंगाल में जिस तरह से महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया उस पर कुछ भी बोलने से उन्होंने परहेज किया।

ईडी निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल को बढ़ाने की मांग लेकर केंद्र पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर कर वर्तमान ईडी निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की। शीर्ष अदालत के हालिया फैसले के अनुसार उनका कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त होने वाला है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया था। अदालत गुरुवार (27 जुलाई) को केंद्र के आवेदन पर सुनवाई के लिए सहमत हुई।
एसजी मेहता ने अदालत से शुक्रवार से पहले केंद्र के विविध आवेदन पर सुनवाई करने का अनुरोध किया।पीठ ने मामले की सुनवाई गुरुवार अपराह्न 3:30 बजे तय की। सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को दिए गए एक फैसले में 2021 में शीर्ष अदालत के फैसले का उल्लंघन करने के लिए ईडी प्रमुख संजय कुमार मिश्रा के विस्तार को अवैध करार दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें 31 जुलाई तक पद पर बने रहने की अनुमति दी थी।
अदालत ने माना था कि मिश्रा को दिया गया विस्तार इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट की एक खंडपीठ द्वारा 2021 के पहले दिए गए फैसले के विपरीत था। मिश्रा को पहली बार नवंबर 2018 में दो साल के कार्यकाल के लिए ईडी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल नवंबर 2020 में समाप्त हो गया। मई 2020 में वह 60 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु तक पहुंच गए थे।

क्रिप्टो धोखाधड़ी का मामला

सीबीआई की छापेमारी में 1 करोड़ रूपए बरामद

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने क्रिप्टो धोखाधड़ी स संबंधित एक मामले की चल रही जांच में आरोपी के परिसरों पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक करोड़ रुपये बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तलाशी के दौरान आरोपी साहिल पाल के ठिकानों से एक करोड़ रुपये की नकदी बरामद की गई। सीबीआई ने कहा कि क्रिप्टो धोखाधड़ी में शामिल दिल्ली स्थित आरोपी के खिलाफ 11 मई को मामला दर्ज किया गया था। आरोप लगाया गया था कि आरोपी कनाडा के सरकारी अधिकारियों के रूप में अपनी धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 31 जुलाई तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी

ईडी ने कोर्ट में दिया आश्वासन

कोलकाता ,26 जुलाई 2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वह पश्चिम बंगाल स्कूल भर्ती घोटाले में केंद्रीय एजेंसी की चल रही जांच के संबंध में 31 जुलाई तक तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गिरफतारी सहित कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा।
यह मामला बुधवार को न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। सुनवाई अब 31 जुलाई तक के लिए टाल दी गई। मामला इस बात से जुड़ा है कि क्या केंद्रीय एजेंसियां मामले में बनर्जी को तलब करेंगी और पूछताछ करेंगी, जिसके लिए मूल आदेश न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय ने दिया था। बाद में मामला न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने भी न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय के पहले के आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद बनर्जी के वकील ने न्यायमूर्ति सिन्हा के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।
हालाँकि, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा की खंडपीठ ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय सलाह दी कि बनर्जी आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 के तहत याचिका के साथ उच्च न्यायालय में जा सकते हैं।

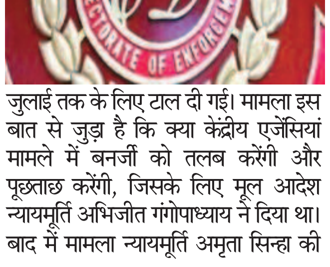

बिजली के लिए प्रदर्शन कर रहे लोगों की पुलिस से झड़प,एक की मौत,दो गंभीर

कटिहार ,26 जुलाई 2023 (ए)। बिहार के कटिहार जिले के बारसोई में बुधवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहने के खिलाफ बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और जमकर हंगामा किया। आरोप है कि कार्यालय में तोड़फोड़ भी की गई। इस बीच पुलिस के साथ लोगों की झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।
प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस द्वारा गोली चलाई गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए।
इधर, बारसोई के अनुमंडल पुलिस अधिकारी प्रेमनाथ राम ने आईएएनएस से बातचीत में एक की मौत की पुष्टि की। उन्होंने पुलिस की गोली से मौत से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि आक्रोशित लोगों द्वारा पत्थरबाजी में मौत हुई है। जानकारी मिलते ही जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल की ओर रवाना हो गए।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बताया कि कटिहार में नीतीश कुमार की पुलिस ने गोली चलाकर आम लोगों को मारने का काम किया। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। नीतीश कुमार पहले नौकरी मांगने वालों पर गोली चलवा रहे थे, अब बिजली मांगने वालों पर गोली चलवाने का काम कर रहे हैं।

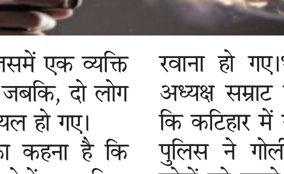

कैन फिन होम्स की अंबाला शाखा के कर्मचारियों ने की 38 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

नई दिल्ली,26 जुलाई 2023 (ए)। कैन फिन होम्स की आंतरिक टीम ने पाया है कि कंपनी की अंबाला शाखा के कर्मचारियों ने चेक हस्ताक्षर प्राधिकार का दुरुपयोग करके विभिन्न व्यक्तिगत बैंक खातों में धनराशि ट्रांसफर करके समय-समय पर धोखाधड़ी की है।
धोखाधड़ी की प्रकृति को धन के दुरुपयोग के रूप में परिभाषित किया गया है।
अनुमानित प्रभाव दुरूपयोग की गई राशि की सीमा तक लाभप्रदता पर एक बार का प्रभाव है, लेकिन संपत्ति/संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। धोखाधड़ी एक निश्चित अवधि में की गई और 24 जुलाई, 2023 को इसका पता चला।कंपनी ने कहा कि धोखाधड़ी में शामिल व्यक्ति विशाल सक्सेना, विवेक भगत, दीपक गुप्ता हैं।
इसमें शामिल अनुमानित राशि 38.53 करोड़ रुपये है।
कैन फिन होम्स ने कहा कि क्षेत्राधिकार पुलिस के पास एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।
आवश्यक रिपोर्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर उपयुक्त अधिकारियों को प्रस्तुत की जाएंगी। सारांश सत्यापन के आधार पर घटना केवल उस शाखा से अलग पाई गई है।
बीएसई पर स्टॉक 4.4 फीसदी की गिरावट के साथ 850 रुपये पर बंद हुआ। कैन फिन होम्स लिमिटेड 1987 में केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी है।
वेबसाइट के अनुसार, यह देश में किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा शुरू की गई पहली एचएफसी है।
कंपनी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य घर के स्वामित्व को बढ़ावा देना और देश में आवास स्टॉक को बढ़ाना था।
कंपनी के शुरुआती शेयरधारक थे केनरा बैंक, कैन बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी और यूटीआई। यह जनता से जमा लेने के लिए एनएचबी द्वारा अनुमत बहुत कम एचएफसी में से एक है। इसे 1991 में सूचीबद्ध किया गया था और वित्तवर्ष 2016 से 100 प्रतिशत लाभांश घोषित करने के साथ इसकी स्थापना के बाद से इसका निर्बाध लाभ और लाभांश भुगतान का इतिहास रहा है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वेक्षण पर रोक आज तक

प्रयागराज ,26 जुलाई 2023 (ए)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बुधवार को वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर गुरुवार तक रोक लगा दी। अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार दोपहर 3.30 बजे होगी। मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वेक्षण के लिए वाराणसी जिला न्यायाधीश के 21 जुलाई के आदेश को अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति की चुनौती पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।
अंजुमन मस्जिद समिति ने मंगलवार को हाई कोर्ट में वाराणसी अदालत के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें एएसआई को मस्जिद परिसर (वुजुखाना को छोड़कर) का सर्वे करने का निर्देश दिया गया था। यह आदेश 4 हिंदू महिलाओं द्वारा दायर एक आवेदन पर पारित किया गया था, जो मस्जिद परिसर के अंदर सालों भर पूजा करने की मांग करते हुए जिला न्यायालय के समक्ष एक केस दायर किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई को एएसआई सर्वेक्षण पर 26 जुलाई तक रोक लगा दी थी।
बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एएसआई द्वारा किए जाने वाले सर्वे पर गहरा संदेह व्यक्त किया। एएसआई की ओर से पेश एएसजी अदालत को प्रस्तावित सर्वेक्षण की सटीक पद्धति के बारे में समझाने में विफल रहे, जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश दिवाकर ने मौखिक टिप्पणी की।

CMYK

संपादकीय

आग फैल रही है

उत्तर-पूर्व अनेक आदिवासी समुदायों का घर है, जिनमें अपनी अलग पहचान को जताने की प्रवृत्ति बढ़ती चली गई है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मणिपुर में सत्ताधारी पार्टी खुद इस होड़ में शामिल हो गई दिख रही है। जबकि मणिपुर में लगी आग की लपटें दूसरे राज्यों में भी पहुंचने लगी हैं।

मणिपुर में हालात अभी भी उबाल पर हैं, जबकि अब इसकी लपटें मिजोरम को भी झुलसाने लगी हैं। मणिपुर में हिंसा जारी रहने के कारण वहां से मैतेई समुदाय के कई लोगों ने मिजोरम जाकर पनाह ली थी। मिजोरम सरकार ने उनके वहां रहने की व्यवस्था की थी। लेकिन इसी बीच चार मई का वह भयानक वीडियो वायरल हो गया, जिसमें दो कुकी महिलाओं को नग्नावस्था में परेड कराते दिखाया गया। इसके बाद से उत्तर-पूर्व के कई आदिवासी समुदायों में गुस्से की खबर मिल रही है। पहले यह खबर आई की नगा समुदाय खफा है। उसकी तरफ से आशंका जताई गई है कि जो कुकी महिलाओं के साथ हुआ, वह उनके समुदाय की महिलाओं के साथ भी हो सकता है। इसी बीच मिजोरम के आदिवासी समुदाय उस वीडियो को देख कर इतना भड़के कि उन्होंने मैतेई समुदाय के लोगों के लिए चेतावनी जारी कर दी कि वे उनके राज्य से चले जाएं। इसका तुरंत असर हुआ। खबर है कि बड़ी संख्या में मैतेई समुदाय के लोग विमान, बस या टैक्सी से मणिपुर की तरफ रवाना हो चुके हैं।

मुद्दा यह है कि जिन हालात के कारण ये लोग अपना घर-बार छोड़ कर गए थे, उनमें मणिपुर में कोई सुधार नहीं हुआ है। इस बीच विवाद दूसरे इलाकों और समुदायों तक फैलने लगा है। उत्तर-पूर्व अनेक आदिवासी समुदायों का घर है, जिनमें अपनी अलग पहचान को जताने की प्रवृत्ति बढ़ती चली गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जब निहित स्वार्थी तत्व इन प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रहे थे, तब उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की गई। इस बीच ऐसा लगता है कि मणिपुर में सत्ताधारी पार्टी खुद इस होड़ में शामिल हो गई है। कुकी समुदाय से आने वाले खुद इसी पार्टी के विधायकों ने मुख्यमंत्री पर एक समुदाय विशेष की तरफ से काम करने और फैसले लेने का आरोप लगाया है। इससे शिकायतें इतनी गहरा गई हैं कि मसले का हल निकालना और कठिन होता जा रहा है। दूसरी तरफ केंद्रीय नेतृत्व है, जो मणिपुर की घटनाओं की तुलना दूसरे राज्यों की घटनाओं से करने की सियासत में शामिल हो गया है।

आखिर क्यूं बरी हो जाते हैं गंभीर मामलों के दोषी ?

देश का जूडिशरी सिस्टम अभी भी तेज गति से काम नहीं कर रहा है जिसका रिज्लट अपराधियों के बरी हो जाने के तौर पर सामने आता है। अदालत में जो केस जितना अधिक लंबा चलता है उससे लोगों की रूचि खत्म होती जाती है। यदि कोई बड़ा मामला होता है और उस केस में अदालत से फैसले के लिए सिर्फ तारीख ही तारीख मिलती रहती है तो उस केस से लोगों का दिलोदिमाग हट जाता है। कई बार मुद्दई टूट जाते हैं। इसमें कई बार पुलिस की टीमें भी दोषी होती है, वो देर से चार्जशीट फाइल करती है, इस वजह से कोर्ट में तारीख मिलती रहती है। वकील भी मामलों में देरी से फैसला करवाने के लिए जिम्मेदार होते हैं वो केस को लंबित करते चले जाते हैं। यदि पुलिस पर्याप्त सबूतों के साथ केस फाइल करे और अदालत जल्द फैसला सुनाने पर आमदा हो तो आरोपी छूटने नहीं पाएंगे।

देश में जूडिशरी और पुलिसिंग की लचर व्यवस्था के चलते ही कई गंभीर से गंभीर मामलों के आरोपी भी अदालत से बाइज्जत बरी हो जाते हैं। इनके बरी हो जाने के बाद बौद्धिक वर्ग तमाम तरह के सवाल उठाने शुरू कर देता है। उसके बाद सिस्टम के उन लूपहोल्स पर चर्चा होती है जिसके कारण अपराधी बरी हो जाते हैं मगर ये सब सिर्फ कुछ दिनों तक ही रहता है उसके बाद फिर सिस्टम उसी तरह से अपने हिसाब से चलने लगता है। इसमें सुधार नहीं हो पाता है। कोई केस जितने लंबे समय तक अदालत में पेडिंग रहता है उसका फैसला उतना ही कमजोर तरह का आता है। यदि अदालत की ओर से कोर्ट में केस के लिए तारीख पर तारीख ली जाती रहती है तो उसका रिजल्ट भी अच्छा नहीं आता है। लंबे समय तक केस चलने के दौरान उस मामले से जुड़े अधिकारियों का तबादला हो जाता है, कई गवाह मर चुके होते हैं। सबूत खो जाते हैं। इन सभी का फायदा अपराधियों को मिलता है।

देश का जूडिशरी सिस्टम अभी भी तेज गति से काम नहीं कर रहा है जिसका रिज्लट अपराधियों के बरी हो जाने के तौर पर सामने आता है। अदालत में जो केस जितना अधिक लंबा चलता है उससे लोगों की रूचि खत्म होती जाती है। यदि कोई बड़ा मामला होता है और उस केस में अदालत से फैसले के लिए सिर्फ तारीख ही तारीख मिलती रहती है तो उस केस से लोगों का दिलोदिमाग हट जाता है। कई बार मुद्दई टूट जाते हैं। इसमें कई बार पुलिस की टीमें भी दोषी होती है, वो देर से चार्जशीट फाइल करती है, इस वजह से कोर्ट में तारीख मिलती रहती है। वकील भी मामलों में देरी से फैसला करवाने के लिए जिम्मेदार होते हैं वो केस को लंबित करते चले जाते हैं। यदि पुलिस पर्याप्त सबूतों के साथ केस फाइल करे और अदालत जल्द फैसला सुनाने पर आमदा हो तो आरोपी छूटने नहीं पाएंगे।

कई बार पुलिस की जो जांच पड़ताल होती है उसमें कई सारी खामियां रह जाती है, इसका पूरा लाभ अपराधियों को मिलता है। किसी अपराधिक घटना में शामिल अपराधियों का उससे बरी हो जाना सिस्टम के मुंह पर तमाचा सरीखे होता है। जूडिशरी लंबे समय तक मामले की सुनवाई के लिए तारीख देता है। कई बार लंबी सुनवाई के दौरान गवाह टूट जाते हैं, उनकी मौत हो जाती है, वकीलों की भी रूचि खत्म हो जाती है। गवाह भी चीजों को भूल जाते हैं। एक बात ये भी है कि जो केस जितना अधिक लंबा चलेगा उसका फैसला उतना ही अधिक खराब आएगा। कोर्ट से पहले पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अगर किसी भी क्राइम की पड़ताल अच्छे और वैज्ञानिक तरीके से नहीं की गई है, तो निश्चित रूप से एक्विटल होते रहेगा।

इसके पीछे बड़ी वजह है कि जज सबूत के आधार पर निर्णय देते हैं। एविडेंस नहीं होने की वजह से बहुत सारे गंभीर अपराधों में मुजरिमों को छोड़ दिया जाता है।अपराध से जुड़े किसी भी केस का आधार पुलिस का एविडेंस कलेक्शन है। हमारे देश में पुलिस क्रिमिनल केस को प्रोसिक्युट करती है। पुलिस की ओर से जमा किए गए एविंडेस के आधार पर ही सज़ा मिलती है। अगर हमारे बेसिक पुलिसिंग में डिफेक्ट है, तो सज़ा की तो बात बेमानी है।इसमें सिर्फ पुलिस के ऊपर ही अंगुली नहीं उठती है, ऐसे मामलों में लोअर जूडिशीएरी के ऊपर भी सवाल खड़े हो जाते हैं। सवाल उठता है कि लोअर कोर्ट पुलिस की तरफ से जमा किए गए साक्ष्यों पर ये क्यों नहीं ध्यान देती कि इन्हें जमा करने में वैज्ञानिक तरीकों का ख्याल रखा गया है या नहीं।

ऊपरी अदालतें सारी कानूनी और संवैधानिक पहलुओं की पड़ताल करके एविडेंस को अप्रीशिएट करते हुए ही फैसला सुनाती हैं। लोअर कोर्ट में भी कानून के आधार पर ही फैसला होता है। अगर मान लिया जाए कि फांसी की सज़ा से जुड़े 35 फीसदी मामलों में हाइअर कोर्ट से एक्विटल हो रहा है, तो फिर मेरा मानना है कि लोअर कोर्ट के जो जजेज़ हैं, कहीं न कहीं अपर्याप्त एविडेंस के आधार पर सज़ा सुना देते हैं। इसी वजह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इन मामलों में लोअर कोर्ट के फैसले को पलट देता है।सज़ा देना और सज़ा को बरकरार रखना, इन दोनों में अंतर होता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी ने मर्डर किया है, उसका वीडियो फुटेज भी है, तब भी उसको सज़ा नहीं मिल सकती है, अगर फुटेज का अच्छे तरीके से कलेक्शन नहीं किया गया है। हमारे यहां एविडेंस एक्ट है, क्रिमिनल प्रोसेज़र कोड है। अगर इनका सही तरीके से पालन नहीं किया गया है, तो ऐसे मामले में लोअर कोर्ट सज़ा दे भी देती है, तो हाइअर कोर्ट में टेक्निकल ग्राउंड पर वो सज़ा बरकरार नहीं रह पाती है। जूडिशीएरी को मजबूत करने की जरूरत है। लोअर कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक में सुधार की जरूरत है।न्याय प्रणाली में लोअर जूडिशीएरी की बहुत बड़ी भूमिका होती है। हमारे देश में लोअर जूडिशीएरी पर्याप्त रूप से डिजिटली साउंड नहीं है। इन अदालतों में वकीलों की गुणवत्ता को भी पर्याप्त नहीं माना जा सकता है। इन अदालतों में वकीलों को बहुत ज्यादा अवसर नहीं मिल पाते हैं। यहीं वजह है कानून के बहुत कम अच्छे जानकार वहां जाकर प्रैक्टिस करते हैं। लोअर जूडिशीएरी में बुनियादी ढांचे की भी कमी है। इन जगहों पर अपर्याप्त नंबर में जज हैं, अपर्याप्त नंबर में सरकारी वकील हैं। ट्रेन्ड वकीलों की कमी है। इन सबकी वजह से सिस्टम में खामियां हैं।

जब आप सुदूर क्षेत्रों में जाएंगे तो पाएंगे कि निचली अदालतों में जज ही एविडेंस लिखते हैं, वहीं बड़े शहरों में इसके लिए स्टेनोग्राफर होते हैं। निचली अदालतों में स्टाफ और फाइल मैनेजमेंट भी एक बड़ा मुद्दा है। लोअर कोर्ट में अपर्याप्त व्यवस्था है। सज़ा देने में अपर्याप्त आधार होने की वजह से ही बाद में फांसी की सज़ा ऊपरी अदालतों में बदल दी जाती है। सुप्रीम कोर्ट कानून के मापदंड के आधार पर ही फांसी की सज़ा को बदलता है। सुप्रीम कोर्ट की नज़र में निचली अदालतों में कोई न कोई चूक हुई होगी। तभी फांसी की सज़ा बरकरार नहीं रह पाती है। किसी दूर-दराज के इलाके में अपराध होने पर फॉरेंसिक टीम के पहुंचने में ही काफी वक्त लग जाता है। ऐसी जगहों पर पुलिस को फॉरेंसिक के बारे में जानकारी ही नहीं होती है। आपराधिक मामलों में अगर थोड़ा सा भी कोई संदेह होता है, चाहे प्रोसिजर में हो या कलेक्शन ऑफ एविडेंस में हो, तो उसका बेनेफिट आरोपी को जाता है। पुलिस में भी सुधार की जरूरत है। उन्हें फॉरेंसिक जैसे सबूत जमा करने की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। फेयर जस्टिस के लिए पर्याप्त साक्ष्य जुटाने होते हैं। इस पर बहुत संजीदगी से ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार, हरियाणा

मेरी ख़ामोशी

रोज मायूस होकर जीती हूँ मैं।
अपने दर्द के साथ रहती हूँ मैं।।
कब आयेगा मेरे जीवन में भोर।
मेरी ख़ामोशी मचाती है शोर।।
दिल की बात दिल में दफ्न है।
परेशानियां मेरी थोड़ी न कम है।।
समझ में नहीं आता कोई छोर।
मेरी ख़ामोशी मचाती हैशोर।।
छुपाऊँ कब तक ऑसू अपने।
बिखर गये है मेरे सारे सपने।।
आखिर गुजरेगा कब ये दुरुह दौर ।
मेरी ख़ामोशी मचाती है शोर।।
मौजों में फॅसा हूँ, नहीं है किनारा।
तिनके का भी न मिला सहारा ।।
दिखाई देता ॲधेरा ही चहुँओर
मेरी ख़ामोशी मचाती है शोर।।।
छायी है जीवन में घटा घनघोर।
टूटे हैं रिश्ते, और बंधे हुए है डोर।।
किया अपनो ने ही मुझे कमजोर।
मेरी ख़ामोशी मचाती है शोर।।

नियति साहू कायनात
करेली बड़ी मगरलोड
जिला धमतरी छत्तीसगढ़

मैं असफल और नाकाम रहा!

मैं असफल और नाकाम रहा
गलतियां होती रही सफर में
लेकिन! ये मेरे जीवन का
परिमाप नहीं... !
परिभाषित नहीं चरित्र मेरा।
ओ त्रुटियों! भूल,चूक,गलतियों... !
सदा ही तुमने अपनाकर मुझकों
मानवता का दान दिया
जीवन परिपथ पर भटक जब
सुकर्म पुण्य की महत्ता भूल
चला उड़ाता फिरता धूल।
ओ विराट बेवकूफियों, नादानियों!
थामकर हाथ मेरा सदा तुमने
नित्य ही उपकार किया।
मिट रहा था अस्तित्व मेरा
फिर से आलोकित पथ की ओर
धकेला।
पाखंड पथ था पाथेय हमारा
सत पथ जीवन सम्बल से अजान
चल रहे झूठ को अटल मानकर
फिर भी जहाज का पंछी नहीं बना
इतने सारे अपराध हमारे
फिर भी जीवन उपकार हुआ।
सद्भावना एकाकी कर्म ने
सब कुछ था तौल रखा।
मंतव्य न था परपीड़ा
न परजन दुःख आयोजन
अपने में एक सुंदर कर्म का
रहा मात्र आयोजन लक्ष्य।
मौन,मूक इस आयोजन में
विचलन का आना शुभ रहा
बाधक मनोविकार सुसुप्ति में लगे
अपराध भूल चूक गलती,नादानी
सबने अपने पक्ष
तुलना में योग दिया
सुंदर पथ के सुकर्म में
सब परीक्षा लेने आते
दे जाते वचन अटल
मौन ज्ञान वरदान।

राजेश बिंजवाल
(ज्ञानीचोर)
रघुनाथगढ़,
सीकर
राजस्थान

लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य खतरे में ?

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव की सांध्य बेला पर सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है, दूसरी तरफ आम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है। यदि जनता अति शिक्षित एवं समझदार है तो इसे सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है क्योंकि किस प्रणाली में जनता को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए जनता को सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग कर अपने कर्तव्यों का भी निष्ठा से पालन करना चाहिए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी रायपुर
छत्तीसगढ़,

मोदी को कितनी टक्कर देगा विपक्ष का इंडिया

पिछले नौ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को चुनौती देने के लिए कांग्रेस सहित देश के 26 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक नए राजनीतिक गठबंधन बनाने की घोषणा की है। बेंगलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में शामिल हुए दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के स्थान पर इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के नाम पर एक नया गठबंधन बनाया है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन के संयोजक की घोषणा अभी तक नहीं हो पाई है।

विपक्ष का कहना है कि उनका इंडिया गठबंधन पहले के यूपीए की तुलना में अधिक मजबूत है। इसमें ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल है जो अभी तक आपस में एक दूसरे के विरोधी रहे हैं। कांग्रेस के धुर विरोधी रहे अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन में शामिल है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कट्टर विरोधी वामपंथी दल व कांग्रेस भी इंडिया गठबंधन में एक साथ शामिल हुए है। केरल में आमने-सामने चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस व वामपंथी दल एकजुट नजर आ रहे हैं।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, मराठा क्षत्रप शरद पवार, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अरविंद केजरीवाल, फारूक अब्दुल्ला, हेमंत सोरेन, एमके स्टालिन, सीताराम येचुरी, डी राजा, अखिलेश यादव, महबूबा मुफ्ती सहित बहुत से वरिष्ठ नेता शामिल है। इंडिया गठबंधन के पास अभी लोकसभा की कुल 142 सीटें हैं। मगर गठबंधन में शामिल 11 दलों का तो लोकसभा में एक भी सांसद नहीं हैं। इस गठबंधन में शामिल पार्टियों की अभी देश के 11 प्रांतों में सरकार चल रही है। जिनमें कांग्रेस की चार प्रदेशों कर्नाटका, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में वहीं जनता दल (यूनाइटेड) व राष्ट्रीय जनता दल की बिहार में, तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल में, झारखंड मुक्ति मोर्चा की झारखण्ड में, आम आदमी पार्टी की दिल्ली व पंजाब में, द्रविड़ मुनेत्र कषगम की तमिलनाडु मे, वामपंथी दलों की केरल में सरकार है।

इंडिया गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, आम आदमी पार्टी (आप), जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (कमेरावादी), जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एमडीएमके), विदुथालाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके), कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची (केएमडीके), मनिथानेय मक्कल काची (एमएमके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (मणि), केरल कांग्रेस (जोसेफ) शामिल है।

इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेसको छोड़ कर अन्य राजनीतिक दलों का अपने-अपने प्रदेशों में ही प्रभाव है। यदि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल अपने पुराने मतभेद भुलाकर एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं और आपसी समझदारी से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के समक्ष एक ही उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारते हैं तो निश्चित रूप से भाजपा को कड़ी चुनौती दे पाएंगे। हालांकि इंडिया गठबंधन में 26 राजनीतिक दल तो शामिल हो गए हैं। लेकिन उनमें अभी भी चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर संशय बरकरार है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि दिल्ली व पंजाब को कांग्रेस उनके लिए छोड़ दे। बदले में अन्य प्रदेशों में आप कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारेगी। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है जहां ममता बनर्जी चाहती है कि कांग्रेस व वामपंथी दल उनके खिलाफ चलाए जा रहे अपने राजनीतिक अभियानों को रोककर उनका सहयोग करें ताकि भाजपा को हराया जा सके।

ममता बनर्जी का कहना है कि बंगाल में वैसे भी वामपंथी दलों व कांग्रेस का आधार समाप्त हो गया है। ऐसे में यदि वह तृणमूल कांग्रेस को सहयोग करते हैं तो पूरे बंगाल में विपक्षी दलों का प्रभाव बढ़ने से भाजपा का सफाया हो सकता है। पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों तक लगातार वाम मोर्चे का शासन रहा था। वाम मोर्चे को हराकर ही ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी बंगाल में सत्तारूढ़ हुई है। ऐसे में वामपंथी दलों को लगता है कि यदि उन्होंने पश्चिम बंगाल को ममता दीदी के हवाले कर दिया तो वहां उनका रहा सहा जनाधार भी समाप्त हो जाएगा। केरल में भी कांग्रेस व वामपंथी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते हैं। मगर देश के अन्य प्रदेशों में मिलकर चुनाव लड़ते हैं। ममता बनर्जी व अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस से केरल की तरह ही सामंजस्य चाहते हैं।

पटना में आयोजित हुयी 16 राजनीतिक दलों की मीटिंग से भाजपा में भी हलचल मच गई थी। इसी कारण बेंगलुरु मीटिंग के दिन ही भाजपा ने नई दिल्ली में एनडीए गठबंधन की बैठक का आयोजन किया और उसमें छोटे बड़े मिलाकर 38 दलों के नेताओं को शामिल किया था। इतना ही नहीं उस बैठक में पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। केंद्र में दूसरी बार सत्तारूढ़ होने के बाद भाजपा ने शायद पहली बार एनडीए गठबंधन की बैठक बुलाई थी। वह भी उस स्थिति में जब उनको लगने लगा कि विपक्षी दलों का गठबंधन राजनीतिक रूप से उनके गठबंधन से बड़ा होने जा रहा है। भाजपा ने एनडीए की बैठक में ऐसे दलों को भी शामिल किया जो हाल ही में एनडीए से जुड़े थे। एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी दलों के नेताओं की बातें सुनी और उन पर गंभीरता पूर्वक विचार करने की बात भी कही।

विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और उसका पूरे देश में प्रभाव भी है। ऐसे में कांग्रेस के नेता चाहेंगे कि इस गठबंधन की कमान कांग्रेस के हाथों में रहे। जिससे सभी दलों में समन्वय बनाकर आगे बढ़ा जा सके। वैसे भी इंडिया गठबंधन में शामिल अधिकांश राजनीतिक दल पहले से ही यूपीए में शामिल थे। जिसका नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही थी। हालाँकि अरविन्द केजरीवाल, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार जैसे नेता नहीं चाहेंगे कि कांग्रेस को नए बने गठबंधन कि कमान मिले।

देश के विपक्षी दलों की आपसी फूट का फायदा उठाकर सरकार अपनी मर्जी से काम करती है। राजनीति में कहा जाता है कि जिस देश या प्रदेश में विपक्षी दल मजबूत नहीं होंगे वहां की सरकारें मनमानी करेगी। इंडिया गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों के आगाज को देख कर तो लगता है कि अगले चुनाव तक उनकी एकजुटता बनी रहे। कांग्रेस पार्टी ने अपने दिल्ली व पंजाब के नेताओं के विरोध के बावजूद दिल्ली सरकार पर केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश के विरोध में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर संसद में समर्थन देने की घोषणा कर जता दिया है कि विपक्ष की मजबूती के लिए वह कितना भी झुकने को तैयार है। मीटिंग से पहले आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों को अल्टीमेटम दे दिया था कि यदि कांग्रेस संसद में उनके समर्थन कि घोषणा नहीं करती है तो वो अगली मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। आप के दबाव के चलते कांग्रेस को झुकना पड़ा। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के नेता जब तक एक दूसरे कि भावना का सम्मान नहीं करेंगे तब तक इस गठबंधन का सफल होना मुश्किल लगता है।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,
राजस्थान

पाबंदी लगाना एक गलत नीति है

मणिपुर में तीन मई से इंटरनेट पर पाबंदी है। तभी सवाल है क्या इससे मणिपुर में हिंसा नियंत्रित करने या शांति बहाल करने में कोई मदद मिली है? सरकार ने ट्विटर, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मणिपुर की महिलाओं का वीडियो डिलीट करने को कहा। तो क्या उससे वीडियो वर्चुअल स्पेस से हट गए हैं या उलटे उनका ज्यादा व्यापक प्रसार हुआ है और ये वीडियो हर व्यक्ति के स्मार्टफोन में पहुंच गए? बिहार में सरकार ने शराब पर पाबंदी लगा दी। तो क्या बिहार में शराब की बिक्री और सेवन बंद हो गया? गैर बासमती चावल के निर्यात पर केंद्र सरकार ने पाबंदी लगा दी है। तो क्या इससे घरेलू बाजार में चावल की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाएगी और उसकी कीमत नियंत्रण में रहेगी? ध्यान रहे पिछले साल गर्मियों में भारत सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाई थी फिर भी गेहूं की कीमत बढ़ने की दर दहाई में रही। इस तरह की पाबंदियों की सूची लंबी हो सकती है। कहीं प्रदर्शन पर पाबंदी लगा दी जाती है तो कहीं किसी स्टैंड अप कॉमेडियन के शो पर पाबंदी लगा दी जाती है। हालांकि अविवाहित महिलाओं को 'खाली प्लॉट' और विवाहित महिलाओं को 'रजिस्टर्ड प्लॉट' बताने की बेहूदगियां पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ चलती रहती हैं। उन पर पाबंदी लगाने के बारे में सोचा भी नहीं जाता है।

बहरहाल, पाबंदी लगाने का कोई भी फैसला कामयाब नहीं होता है। यह बहुत गलत नीति है क्योंकि इससे सिर्फ नुकसान होता है। मणिपुर इसकी मिसाल है। मणिपुर में तीन मई को मैती और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा की शुरुआत हुई थी और उसी दिन इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई। ब्रॉडबैंड की सेवा बंद कर दी गई। इसका नतीजा यह हुआ कि पहले दो दिन तक हिंसा को लेकर कोई खबर नहीं आई। दो दिन के बाद जो पहली खबर मिली वह 54 लोगों के मारे जाने की थी। हिंसा शुरू होने के 77 दिन बाद दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने और यौन हिंसा करने का एक वीडियो सामने आया। यह वीडियो चार मई का ही है। इंटरनेट पर पाबंदी के बावजूद यह वीडियो सामने आया और उसके बाद मणिपुर से लेकर मिजोरम तक तनाव बना हुआ है। अगर इंटरनेट पर पाबंदी नहीं होती तो हो सकता है कि यह वीडियो पहले सामने आ जाता और तब भी ऐसी ही प्रतिक्रिया होती, जैसी अभी हुई है। लेकिन इंटरनेट बंद होने का खामियाजा यह हुआ कि लोग इस घटना की या ऐसी किसी दूसरी घटना की पुष्टि नहीं कर पा रहे थे और इस बीच अफवाहें फैलाने वालों को मौका मिल रहा था। कुकी और मैती समुदाय के बीच ज्यादातर हिंसा अफवाहों की वजह से हुई है। इसलिए कहीं भी इंटरनेट बंद करने की बजाय इंटरनेट के जरिए फर्जी खबर और वीडियो फैलाए जाने को रोकने की कोशिश होनी चाहिए।

अजीत द्विवेदी

ये कल की पीढ़ी के लिए है

छोड़ो और छिड़को
घनघोर बारिश में
छुपता है और हंसता है
वह हरा मेंढक...
मेढक के मन में
बिन बरसे बरसे बारिश...
उस बारिश का
कोई जल्दी नहीं...
जमीन पर पानी में...
एमबी एमबी एमबी जंप
तैराकी धड़कता है
वह हरा मेंढक
उस मेंढक का तैराकी में...
जीवित रहने में असमर्थ
जीवित मनुष्य का
स्थिति तो ऐसी लगती है...
उस बारिश का कौशल में...
कटे हुए पेड़ों का
एक जली हुई जिंदगी
घबराहट से मुस्कुराते हुए...
ये आज के लिए नहीं है
कल की पीढ़ी के लिए...

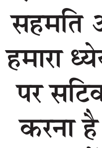

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

लखनपुर पुलिस ने मवेशी की तस्करी करते ट्रक को पकड़ा नौ मवेशियों की हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
लखनपुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
बिलासपुर अंबिकापुर नेशनल हाईवे में 25 जुलाई की रात लगभग 2 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रक के माध्यम से मवेशीयो की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस घेराबंदी करते हुए मवेशी से भरा ट्रक जप्त किया है वहीं ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ट्रक के अंदर लगभग 40 मवेशी ले जाया जा रहा था।जिसमें 9 मवेशियों की मौत हो चुकी थी 26 जुलाई दिन बुधवार की सुबह 11 बजे पशु चिकित्सकों की टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया तत्पश्चात पुलिस ने शव को दफनाया। लखनपुर पुलिस अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच में जुटी है। प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रक के माध्यम से मवेशियों की तस्करी की जा रही है। मुखबिर की सूचना मिलते हैं। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशानुसार टीम गठित की गई। ट्रक को पकड़ने के लिए लखनपुर पुलीस घेराबंदी करते हुए कुंवरपुर लखनपुर थाने वह बस स्टैंड में पॉइंट लगाकर खड़ी हुई थी। ट्रक क्रमाक JH 07 K 7026 को रुकवाया गया परंतु वाहन चालक के द्वारा ट्रक वाहन को भगा दिया गया और लहपट्रा मेन रोड में ट्रक खड़ा कर चालक मौके से फरार हो गया। लखनपुर पुलिस ट्रक को जप्त करते हुए लखनपुर थाने लेकर आई। ट्रक के अंदर गाय बैल बछड़ा मिलाकर 40 नग था।जिसमें से 9 मवेशियों की मौत हो गई थी। पशु चिकित्सकों की टीम के द्वारा मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम किया गया तत्पश्चात लखनपुर पुलिस ने शव को दफनाया।साथ ही लखनपुर थाने परिसर में पशु चिकित्सकों के द्वारा अन्य मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।वहीं लखनपुर पुलिस छत्तीसगढ़ कृषक परिरक्षण अधिनियम 1911, 4,6 ,10 पशु क्रूरता अधिनियम 11 (घ) के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच में जुटी है। उप निरीक्षक प्रमोद पांडे ,डाकेश्वर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक अरुण गुप्ता डेबिट मिंज, पुलिस टीम सहित 112 की टीम सक्रिय रही।

कारगिल के वीरों का स्मरण कर देश प्रेम का लिया प्रेरणा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र अम्बिकापुर में बुधवार को मेरी माटी मेरा देश 'माटी का नमन-वीरों का वंदन' के अंतर्गत सैनिकों के सम्मान एवं पंच प्रण शपथ कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिन्हा के मार्गदर्शन में एनएसएस प्रभारी डॉ. एसआर दुबोलिया एवं डॉ. नीलम चौकसे द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अंजनी गुप्ता रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर द्वारा अपने कारगिल के युद्ध का अनुभव साझा किया गया और एक सैनिक के जीवन में होने वाली कठिनाइयों एवं संघर्ष के बारे में बताया। उसके उपरांत अधिष्ठाता राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र , अम्बिकापुर द्वारा कारगिल के वीरों का स्मरण एवं वंदन कर महाविद्यालय के छात्रों को उनसे प्रेरणा लेकर देश प्रेम और एक से रहने के लिए कहा। उसके उपरान्त उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को पंच प्रण शपथ दिलवाई। इस दौरान अजिरमा ग्राम पंचायत के सचिव रुकमणी एवं पंच शंकर लाल पटेल एवं कविता कुशवाहा, प्राध्यापक वीके सिंह, डॉ. जीपी पैकरा, डॉ. पीके भगत, डॉ. केएल पैंकरा, डॉ. एके नायक, डॉ. रंजीत, डॉ. जहार सिंह, मिस किरन, डॉ. आर्यमा भारती, डॉ. सचिन कुमार जायसवाल, निमन, रोहनी पैकरा, हरीश पांडे वैभव जायसवाल, देवेंद्र पैकरा, कांता कुजुर और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे और इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ रंजीत द्वारा किया।

एक पेड़ देश के नाम संकल्प के साथ किया गया पौधरोपण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
लुण्ड्रा विकासखंड के डडगांव में स्थित प्राइमरी, मिडिल स्कूल परिसर एवं दोरना में मंगलवार को वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण को लेकर विद्यालय में कार्यरत शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ-साथ, युवाओं, ग्रामवासियों में जबर्दस्त उत्साह रहा। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विभिन्न पौधों जिसमें आंवला, अशोक, अमरूद, बेल, नीम, कटहल, जामुन, पीपल, बरगद जैसे अनेक पौधे सैकड़ों की संख्या में लगाया गया। वृक्षारोपण के पश्चात सभी ने संकल्प लिया कि इन पौधों के बड़े होते तक सुरक्षा करना है। पर्यावरण को ठीक रखने में वृक्षारोपण पर जोर देते हुए सभी ने कहा कि इस बरसात के मौसम में अधिक से अधिक गांव में जाकर औषधीय, फलदार पौधों का वृक्षारोपण करेंगें और प्रकृति की रक्षा में अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करेंगें। एक पेड़, देश के नाम के भाव को लेकर वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में इंदर भगत, जयंत नाथ सिंह, विकास गुप्ता, अमित गुप्ता, नीलेश अमराई, सचिन कश्यप, वीरेंद्र गुप्ता, आशीष गुप्ता, राजकुमार श्रीवास्तव, शिक्षक सुरेन्द्र केसर, शालू दास, संतोष एक्का, ट्विंकल सोनी, गणेश यादव, लालू यादव, निहाल गुप्ता, रहीस यादव, सोहिल पैंकरा, राजेन्द्र प्रधान, जितेन्द्र प्रधान, गोलू शाह, ओमप्रकाश प्रधान, नरेन्द्र प्रधान, राजनाथ नागवंशी, विनय कुमार, कोंदो राम, आशीष शाह, नंदू, अजय, विपिन शाह, अविनाश विशाल सहित बड़ी संख्या में स्कूल के विद्यार्थी, बच्चे, युवा एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

व्यापारी के गले में चाकू अड़ाकर दिया लूट को अंजाम

-संवाददाता-
कोरबा,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)।
कोरबा में निवासरत एक व्यापारी रोज की तरह अपने सामानों की बिक्री के पैसे की रिकवरी के लिए दीपका-पाली क्षेत्र गया हुआ था। इस दौरान वापस लौटते समय दीपका थाना क्षेत्र की तिवरता जंगल के समीप स्कूटी में सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और चाकू की नोक पर डेढ़ लाख रुपए की लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस अज्ञात लुटेरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

मणिपुर की घटनाओं के विरोध में निकाली गई रैली

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
सर्व समाज एकता परिषद के बैनर तले बुधवार को सैकड़ों महिला-पुरुषों और सामाजिक संगठनों ने मणिपुर की घटनाओं के विरोध में एक रैली का आयोजन किया। इस दौरान राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। राजमोहनी भवन से प्रारंभ होकर यह रैली गांधी चौक, आकाशवाणी चौक, जोडा पीपल, गुदरी चौक, थाना चौक, महामाया चौक, संगम चौक होते हुए घड़ी चौक पर समाप्त हुआ। मणीपुर में जारी हिंसा और वहां महिलाओं के अस्मिता के साथ हो रहे खिलवाड़ को लेकर हिंदु-मुस्लिम-सिख-ईसाई आपस में हैं भाई-भाई के नारों के साथ यह रैली आयोजित हुई थी। रैली में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह सोढी ने कहा कि मणिपुर में 80-85 दिनों से जारी हिंसा में न केवल मौते हुई है, साथ ही दोनों समुदायों के सैकड़ों धर्मस्थलों को आग के हवाले कर दिया गया है। हम राष्ट्रपति से अनुरोध करते हैं कि वो मणिपुर की सरकार को राजधर्म की सीख दे ताकि वहां शांती स्थापित हो सके। सर्व समाज एकता समिती के अध्यक्ष आनंद प्रकाश कुजूर ने कहा कि मणिपुर में जो घटनाएं हो रही है उससे देश का सर शर्म से झुक गया है। रैली को आदीवासी महासभा, गोंडवाना महासभा, राष्ट्रीय आदीवासी एकता परिषद, सीएनआई चर्च, नमना कैथोलिक सभा, नवापारा चर्च, बिसप हाउस, गौसिया कमेटी ने अपना समर्थन दिया था। रैली में इन संगठनो के मुन्ना टोप्पो, छत्रपाल सिंह, ब्लासियुस तिग्गा, प्रनई टोप्पो, बलधीर टोप्पो, ग्रेगरी कुजूर, फादर विलियम उर्रे भी शामिल थे। रैली के समर्थ में सैकड़ों की संख्या में शहर के नागरिक भी शामिल थे। इनमें मो. इस्लाम, कलीम अंसारी, निखिल विश्वकर्मा, आतिश शुक्ला, फिरमा एक्का, सबीना, अनीता मिंज, मार्था, विनिता, अजीता, पुष्पा एक्का, गोरेती, प्रभा लकडा, प्रभा तिर्की, चरणप्रीत सिंह, संजल सिंह, त्रिषिकेशा मिश्रा, विरेन्द्र टोप्पो, मो. इम्तियाज, पार्षद विनोद क्का, वसीमा अंसारी, हरप्रित सिंह, जे कुजूर, बी तिग्गा, मनोज खलखो अनंत कुमार सिंह, सोहेल अलि, सुमन तिग्गा, मेराज अंसारी, त्रभ्री राज सिंह संतोष यादव आदि शामिल थे।

कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिकों ने शहीद जवानों का किया याद

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 26 जुलाई 2023 (घटती घटना)। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद सरगुजा संभाग छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाई गई। जिसमें उपस्थित पूर्व सैनिक डिप्टी कलेक्टर जेआर शतरंज एवं सरगुजा संभाग अध्यक्ष अनिल गुप्ता , उपाध्यक्ष संजय पांडेय, सचिव अनिल मिंज, उपसचिव दयानंद खलखो एवं सभी गणमान्य सरगुजा संभाग के पूर्व सैनिक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा कारगिल विजय दिवस को भव्य रुप से मनाई गई। जिसमें नगर वासियों का भी वीर शहीदों के प्रति उत्साह और प्यार देखने को मिला।

आदिवासी हित के इतने बड़े मुद्दे पर कांग्रेस सांसदों का सदन में न रहना प्रमाणित करता है कांग्रेस आदिवासी विरोधी : कमलभान सिंह

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने 12 समुदायों को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री द्वय अमित शाह व अर्जुन मुण्डा का आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में संसद में प्रस्तुत विधेयक पर एक बयान जारी कर पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज की 42 जातियां निवास करती हैं। आज का यह दिन न केवल छत्तीसगढ़ में निवासरत आदिवासी समुदायों के लिए, अपितु देशभर में निवासरत 7 सौ जनजाति समुदायों के लिए ऐतिहासिक है। जिन 12 जातियों को सूची में लाने के लिए यह संशोधन प्रस्ताव लाया गया है, उनमें से 10 जातियां लिपिकीय त्रुटियों के कारण संविधान प्रदत्त अधिकारों और लाभ से आजादी के इतने वर्षों बाद भी

वंचित थीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र कहे जाने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो आजादी के 75 वर्ष बाद भी अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल नहीं किए गए थे। छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है जहां आदिवासियों को त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में भाग लेने का अधिकार प्राप्त है, लेकिन सूची से बाहर जनजाति समुदायों के लोग किसी भी तरह चुनाव में भाग नहीं ले पाते थे। प्रधानमंत्री मोदी व केंद्रीय मंत्री मुंडा के प्रयासों से सभी अनुसूचित जनजाति समुदायों को उनका अधिकार मिला। सदन में विपक्ष की गैर मौजूदगी पर कटाक्ष करते हुए कमलभान सिंह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के कोटे से आने वाले राज्यसभा सदस्यों को सदन में उपस्थित होकर इस विधेयक का स्वागत व समर्थन करना था। सदन से बाहर दोनों राज्यसभा सदस्य केंद्र सरकार पर मदद नहीं करने का आरोप लगाते हैं। आज सदन में वे होते तो इस विधेयक पर खुश होते, लेकिन उन्होंने यह अवसर गंवा दिया । कमलभान सिंह ने कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश में जनजातियों को उनका अधिकार नहीं मिल रहा था, इसलिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटलजी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और 15 वर्षों के भाजपा शासनकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में आदिवासियों के कल्याण के लिए काफी काम हुए।

श्याम घुनघुट्टा परियोजना नहर से पानी उपलब्ध कराए जाने को लेकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार को किसानों ने सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
श्याम घुनघुटटा परियोजना नहर से लखनपुर विकासखंड के ग्राम सिरकोतगा रजपुरी पूहपुटरा परसोडी कला के सैकड़ो किसानों को कृषि कार्य हेतु पानी उपलब्ध नहीं आज प्रेम तक नहीं हो सका। वर्षा नहीं होने तथा नहर से पानी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में कृषि कार्य पूरी तरीके से प्रभावित हो चुका है। जिन खेतों में धान की खेती की गई है पानी के अभाव में खेत में दरारें पड़ चुकी है।जिसे लेकर दर्जनों किसान कृषि कार्य हेतु नहर से पानी उपलब्ध कराए जाने को लेकर 26 जुलाई दिन बुधवार को सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के नाम तहसीलदार श्रीमती गरिमा ठाकुर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि शासन के द्वारा श्याम परियोजना घुंघटा जलाशय कृषि सिंचाई हेतु नहर का निर्माण कार्य किया गया था। परंतु लखनपुर विकासखंड के रजपुरी कला सिरकोतगा पुहपुटरा परसोडी कला तक कृषि कार्य हेतु नहर से पानी सैकड़ों किसानो को उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।साथ ही वर्षा नहीं होने से कृषि कार्य पूरे तरीके से प्रभावित हो चुका है। खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी है। क्षेत्र के किसान कृषि कार्य पर ही आश्रित हैं नहर से सही समय पर कृषि कार्य हेतु पानी उपलब्ध नहीं होता है। तो खेती नहीं कर पाएंगे और किसानों के सामने भूखे मरने की स्थिति निर्मित हो जाएगी। सरगुजा कलेक्टर से 7 दिवस के अंदर नहर से पानी उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई है। नहर से पानी उपलब्ध नहीं होता है तो उग्र आंदोलन की बात किसानों द्वारा कही गई है।

मौसमी बिमारी के साथ-साथ आई फ्लू का खतरा

जवाहर नयोदय विद्यालय के 120 बच्चे पाए गए पीड़ित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)
बरसात के कारण मौसम में अचानक बदलाव के साथ मौसमी बिमारी के साथ-साथ प्रदेश में आई फ्लू कंजक्टिवाइटिस फैला हुआ है, ग्रामीण, शहरी क्षेत्रों में इसका प्रभाव देखने को मिल रहा है। क्योंकि प्रतिदिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अम्बिकापुर में अधिक संख्या में आई फ्लू कंजक्टिवाइटिसके मरीज आ रहे हैं। विगत दिवस कलेक्टर के निर्देश पर जवाहर नयोदय विद्यालय खलिबा अम्बिकापुर के बच्चों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें में लगभग 120 बच्चे आई फ्लू से संक्रमित पाये गये हैं। इन बच्चों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएन गुप्ता के मार्गदर्शन में सभी बच्चों का इलाज डॉ. रंजन टोप्पो नेत्र रोग विशेषज्ञ के टीम द्वारा आई ड्राप ओइन्टमेंट खाने की दवायें उपलब्ध कराई गई। विकासखण्ड स्तर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएन गुप्ता द्वारा नेत्र सहायक अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, कि सभी आवासिय विद्यालय में जाकर संक्रमित बच्चों की जांच व सामान्य उपचार तत्परता से करें एवं आम लोगों को आई फल से बचने के लिये डॉ. रजत टोप्पो नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा इससे बचने के लिये निम्न सुझाव व सामान्य उपचार बताए गए हैं।

सामान्य लक्षण

आंख का चुभन, पानी आना, हल्का दर्द के साथ लाल होना, कभी-कभी हल्का बुखार व छींक आना ये सामान्य आई का लक्षण है।

बचाव

संक्रमित व्यक्ति अपने आंख में बार-बार हाथ लगाता है, कोशिश करें पिड़ित से हाथ न मिलाए, उनके उपयोग किए किसी भी रूमाल, टावेल चादर व तकिया का इस्तेमान न करें। पिडित व्यक्ति अपने आंखों को बार-बार न छुये व अपने हाथों को साफ रखें। पिडित व्यक्ति आंख को साफ कपड़े से हल्के गुनगुने पानी से सकाई करें। संक्रमित व्यक्ति हो सके तो काला चश्मा लगायें।संक्रमित आंख को देखने से इस बीमारी के फैलने की धारणा केवल भ्रम है। यह बीमारी केवल सम्पर्क से ही फैलती है।

सामान्य उपचार

तुरत सामान्य उपचार हेतु आई ड्रॉप का उपयोग एक-एक बुंद 5 बार कर सकते हैं। इस बार इंफेक्शन वायरल व बक्टेरियल मिश्रित होने के कारण डाक्टर की सलाह पर जरूरी दवाई लें इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ का सलाह लेवें। जिससे सही समय पर बचाव हो सके।

'निगम सरकार शहरवासियों की चिंता न कर तेजस कम्पनी को प्रश्रय देने के कारण शहर में पानी के लिए मची है त्राहिमाम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)।
शहर के लोगों को पानी की गम्भीर समस्या से निजात दिलाने की मांग को लेकर भाजपा पार्षद मधुसूदन शुक्ला ने निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि नगर पालिक निगम अम्बिकापुर को केन्द्र सरकार द्वारा स्वच्छ पेयजल व 24 घंटे पानी की सुविधा हेतु अमृत मिशन जल आवर्धन योजना के तहत 106 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई थी। भारतीय जनता पार्टी में निगम प्रशासन का ध्यान समय-समय पर आकृष्ट कराया था, कि तेजस कम्पनी द्वारा डीपीआर के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है। परन्तु नगर निगम की कांग्रेस सरकार ने शहर के लाखों लोगों की चिन्ता न करते हुए तेजस कम्पनी को प्रश्रय देती रही जिसका परिणाम यह हुआ कि आज बाकी डैम में पानी कम होने पर नगरवासी पानी के लिए त्राही त्राही कर रहे हैं। अमृत मिशन जल आवर्धन योजना के पूर्व तकिया फिल्टर प्लांट से 1 करोड़ 60 लाख लीटर पानी की आपूर्ति किया जाता था जिससे शहरवासियों को पानी की किल्लत नहीं होती थी। यह योजना ढाई लाख की जनसंख्या वर्ष 2050 तक के लिए बनाई गई थी परन्तु योजना का कार्य पूर्ण होने से पूर्व ही फेल हो गई। पानी टंकियों से जल की आपूर्ति जनसंख्या व कनेक्शन धारियों के अनुपात में नहीं की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी नगर मण्डल अम्बिकापुर यह मांग करती है कि अमृत मिशन जल आवर्धन योजना की निम्न बिन्दुओं पर तकनीकी सुधार कर शहर वासियों को पानी की समस्या से निजात दिलायें।

CMYK

फैशन की रिमझिम

मौसम है गर्मी और आर्द्रता का तो कपड़े भी होने चाहिए उसके अनुकूल। इस मौसम में भारी और सजावटी सिल्क व ब्रोकेड के परिधानों से दूरी बनाएं और अपनाएं मलमल, सॉफ्ट कॉटन और जूट के परिधान पहनें।

नेचुरल फाइबर

गर्मी में नेचुरल फाइबर से बने कॉटन और जूट के परिधानों से बेहतर कुछ भी नहीं। ये त्वचा को सांस लेने में मदद करते हैं। साथ ही गर्मी के कारण त्वचा पर चकत्ते पड़ने और एलर्जी होने की समस्या से भी मुक्ति दिलाते हैं। गर्मी के मौसम में सिंथेटिक परिधानों से बचना चाहिए। चिकन के कपड़े भी गर्मी के लिहाज से अच्छे हैं। वहीं चिकनकारी के काम से सजे परिधान भव्य भी लगते हैं। गोसामर क्वालिटी चिकन आपको कई तरीके से कूल रखता है।

फ्लोरल प्रिंट

शार्ट स्कर्ट और शा ?र्ट्स पहनने का यही है मौसम। उनके साथ मैच करें स्ट्रैपी ब्लाउज। इस तरह बन जाएगा आपका कूल फैशन स्टेटमेंट। फ्लोरल प्रिंट में डेलीकेट और फ्लोइंग ड्रेस भी गर्मी के इस मौसम में अच्छी लगेंगी। प्लेफुल वाटरकलर प्रिंट्स भी गर्मी में लगते हैं बेहतरीन।

स्लीवलेस स्टाइल

एथनिक व पांपरिक कढ़ाई से सजी स्लीवलेस चोली भी है गर्मी के फैशन का हिस्सा। उसके संग चुनें एथनिक लुक वाली साड़ी और आप बन जाएंगी हर पार्टी की जान।

कलर्स

यह माना जाता है कि गर्मी में हल्के और पेस्टल कलर अच्छे लगते हैं, पर ब्राइट कलर्स का चुनाव भी है एक अच्छा आइडिया। ब्राइट रेड, फ्यूशिया, लीफ ग्रीन, कनारी यलो, ऑरेन्ज और पिंक कलर से बनेगी बात।

डेनिम

डेनिम के साथ मैच करें फ्रूटी शेड्स में फिटिंग के टॉप। इसके अलावा खूबसूरत पारंपरिक रंगों में एथनिक कुर्ती भी डेनिम के साथ स्मार्ट लुक देगी। आप खूबसूरत लेस वाले टॉप भी चुन सकती हैं।

हल्के फैब्रिक

बेहद हल्के फैब्रिक पुरुषों के लिए भी हैं कूल और एलीगेंट चॉइस। हल्के फैब्रिक और चटख रंग की श ?र्ट्स के साथ लिनेन की पैंट्स आकर्षक लगेगी।

ऑफिस

फॉरमल वेयर को भी आप कूल बना सकते हैं। लिनेन, कॉटन, जूट जैसे नेचुरल फाइबर्स चुनें। दिन के लिए स्ट्राइप्स, डॉट्स और पेस्टल शेड्स हैं परफेक्ट।

ईवनिंग वेयर

बारबेक्यु या बीच पार्टी के लिए स्टाइल और खूबसूरत रंगों से करें अपने ड्रेसिंग सेंस को कंप्लीट। कूल टीशर्ट के साथ विंटेज जींस, लिनेन शॉर्ट्स के साथ फ्लोरल प्रिंट्स, मुसलिन की झीनी शर्ट्स के साथ जूट की पैंट्स आपको मौसम के अनुकूल कूल लुक देगी।

एक्सेसरीज

बीड्स, ब्रेसलेट्स और चार्म सिर्फ लड़कियों के लिए नहीं, बल्कि लड़कों के लिए भी हैं स्मार्ट एक्सेसरी। मौसम के मिजाज के अनुकूल परिधान के संग बेरी कलर का ब्रेसलेट परफेक्ट लगेगा। वहीं लड़कों को दिखना है स्टाइलिश तो वे अपना सकते हैं लेदर के साथ बीड्स ब्रेसलेट और गले में सिल्वर चेन। एक्सेसरीज ऐसी चुनें जो बहुत भारी न हों। याद रखें हल्की और स्टाइलिश एक्सेसरीज ही लगेगी अच्छी।

स्कार्फ

फ्लोरल प्रिंट्स, फ्रूटी कलर्स, हल्के व फ्लोइंग का है फैशन। गर्मी के मौसम में स्कार्फ चुनते वक्त उपरोक्त बातों का रखें ध्यान। इसे आप सी-बीच, पार्टी या ऑफिस कहीं भी पहन सकती हैं। सभी जगहों पर स्कार्फ अच्छा लगेगा।

खुद बनाएं मनपसंद हेयर स्टाइल

आपको पार्टी में जाना है और हेयर स्टाइलिस्ट के पास जाने का वक्त नहीं है! ऐसी स्थिति से महिलाएं अकसर दो-चार होती है। समय की कमी के चलते अकसर हमें अपने हेयर स्टाइल को इग्नोर करना पड़ जाता है। फिक्र न करें। जावेद हबीब आपको बता रहे है कुछ आसान और क्विक हेयर स्टाइलिंग के टिप्स जिससे आप बालों की स्टाइलिंग खुद कर सकती हैं।

1. अगर आपको वेवी लुक पसंद है तो बस हेयर ब्रश, टेक्सचराइजिंग क्रीम और हेयर ड्रायर के सहारे आप अपने बालों को वेवी लुक देकर उनमें वॉल्यूम पैदा कर सकती हैं।

2. अगर आपको स्ट्रेट हेयर लुक चाहिए तो शॉवर के बाद अपने बालों को तौलिये से सुखा लें। फिर टेक्सचराइजिंग जेल को उंगलियों में लगाकर बालों की लटों में फैलाएं और कंघी करें। इससे आपके बाल सुलझे और स्ट्रेट दिखेंगे।

3. बालों को बाउंसी लुक देने के लिए सिर झुकाकर उन्हें पलट कर ब्लो ड्राई करें। करीब दस मिनट तक पलटे हुए बालों में कंघी करने से बालों में अच्छा बाउंस आ जाता है जो आपको फ्लैट और बोरिंग लुक से निजात देता है।

4. अपने बालों में खुशबू पैदा करने के लिए कंघी या हेयर ब्रश पर अपना मनपसंद परफ्यूम स्प्रे करें। इससे बाल सुलझाने पर बालों में महक आनी शुरू हो जाएगी जो लोगों को आपकी तरफ आकर्षित जरूर करेगी।

5. बालों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छे शैंपू और कंडीशनर का प्रयोग भी जरूरी होता है। ज्यादातर शैंपू व कंडीशनर इतने गाढ़े होते हैं कि सिर की त्वचा पर जम जाते है और अच्छी तरह से साफ भी नहीं होते। ऐसे गाढ़े शैंपू या कंडीशनर्स को प्रयोग करने से पहले पानी डालकर पतला कर लें।

6. घर में सलून जैसी हेयर स्टाइलिंग करने के लिए सबसे पहले बालों को छोटे-छोटे सेक्शंस में बांट लें। हॉट रोलर्स, ब्लो ड्रायर और स्टाइलिंग जेल के साथ इनमें से एक-एक सेक्शन को कर्ल करें, बेहतरीन हेयर स्टाइल तैयार हो जाएगा।

स्पा का है यह सीजन

स्पा के लिए सबसे बेहतर मौसम है मानसून। वातावरण में घुली नमी, शीतलता और हवा में स्वच्छता के मध्य स्पा से शरीर को मिलती हैं ऐसी ताजगी, जो किसी और मौसम में मुमकिन नहीं..

अगर बात मानसिक शांति और तनाव मुक्ति की हो रही हो और स्पा का जिक्र न हो तो बात अधूरी ही मानी जाएगी। स्पा से आशय है सेनस पर एक्कम से। जिसका अर्थ है जल के इस्तेमाल से स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की प्रक्रिया। यह माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति 14वीं शताब्दी में बेल्जियम में हुई थी। धीरे-धीरे इसका चलन पूरे यूरोप में फैल गया। इसके तौर-तरीकों में भी बदलाव हुआ। कुछ स्थानों पर स्पा में मिनरल्स और समुद्री पानी का इस्तेमाल किया जाता है तो कहीं पर अन्य समुद्री सामग्री के माध्यम से शरीर को तनावमुक्त और स्फूर्ति प्रदान करने की प्रक्रिया को स्पा कहते हैं। हालांकि आज इसके मायने काफी हद तक बदल चुके हैं। यह लोगों को मौका देता है तनाव दूर करने का, ब्यूटी ट्रीटमेंट का, हाथ और पैरों को संवारने का, वह भी कुदरत के माध्यम से।

क्या हैं फायदे

- स्पा थेरैपी शरीर में ऑक्सीजन के साथ ही रक्त के प्रवाह को तेज करके तनाव और थकान दूर करने में मदद करती है।
- स्पा थेरैपीज मस्कुलर , स्केलेटल , सर्कुलेटरी , रेस्पिरेटरी , एंडोक्राइन (अंतस्त्रावी), लिम्फेटिक (लसीका संबंधी) और नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाने के साथ ही भावनात्मक और मानसिक तौर पर भी शांति प्रदान करती हैं। इससे थकान, उदासी दूर होने के साथ ही मांसपेशियों में भी मजबूती आती है।
- स्पा बॉडी मसाज ब्लड प्रेशर कम करने के साथ ही प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। यह मसाज तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन्स का स्तर कम करता है और दिमाग को शांति पहुंचाने वाले हारमोन्स जैसे सेरेटोनिन के स्राव का स्तर बढ़ाता है।

बॉडी रैप और मड बाथ भी स्पा के दूसरे प्रसिद्ध ट्रीटमेंट हैं। यह त्वचा के टेक्सचर को बेहतर बनाने के साथ ही त्वचा में नई रंगत पैदा करते हैं। बॉडी रैप शरीर को डीटॉक्सीफाई, टेंपरेरी इंच लॉस, त्वचा में कसाव और कोमलता लाने के साथ ही लिम्फेटिक सिस्टम और मेटॉबालिज्म स्तर को सुधारता है। वहीं मड थेरैपी त्वचा में कसाव लाने, उसकी सफाई करने, चमकदार बनाने के साथ ही उसे एक्सफॉलिएट भी करती है। आजकल स्पा थेरैपीज के साथ बोटॉक्स और फिलर्स का कॉम्बीनेशन जिन्हें मेडी स्पा कहते हैं लोगों को रिझा रहे हैं।

समय हो सही

मानसून स्पा के लिए सबसे बेहतर मौसम इसलिए है, क्योंकि इस दौरान मौसम तो नम होता ही है। साथ ही हवा में धूल-मिट्टी भी कम होती है। इस मौसम में शरीर के सूक्ष्म छिद्र आसानी से खुल जाते हैं और ट्रीटमेंट और बेहतर हो पाता है। लगभग तीन माह में एक बार अपने दोस्तों या पति के साथ स्पा का मजा जरूर लें। हां, पैडीक्योर और मैनीक्योर हर महीने कराती रहें। स्पा में सामान्य तौर पर मिलने वाली सर्विस के अलावा आप जैली रब, एरोमैटिक एक्सफॉलिएटिंग स्क्रब, हाइड्रेटिंग मास्क, हॉट टॉवेल रैप, पैराफिन डिप के अलावा कई चीजों का आनंद ले सकती हैं।

क्या न करें

- ट्रीटमेंट के कम से कम एक घंटे के बाद ही किसी चीज का सेवन करें। इसी प्रकार यदि आपने कुछ खाया है तो करीब एक-डेढ़ घंटे बाद ही स्पा का रुख करें।
- यदि पैरों में कट या कोई चोट है तो फिश पैडीक्योर न कराएं। यह खतरनाक इन्फेक्शन पैदा कर सकता है।
- कभी भी खुले लूफाह का इस्तेमाल न करें।
- यदि आप क्लॉस्ट्रोफोबिया (किसी स्थान पर बंद हो जाने को लेकर भय) के शिकार हैं तो रैप और स्टीम थेरैपीज से बचें।
- सोराइसिस और डर्मेटाइटिस जैसी किसी भी तरह की त्वचा संबंधी समस्या होने पर बिना डॉक्टर की सलाह के स्पा ट्रीटमेंट से दूर रहें।

ध्यान रखें

- किसी भी स्पा ट्रीटमेंट का लाभ उठाने से पहले उस संस्थान के परिचय पत्र के साथ ही उसकी संपूर्ण जानकारी अवश्य लें।
- बुकिंग कराने से पहले अपनी जरूरत के बारे में थेरैपिस्ट से विस्तृत चर्चा अवश्य करें।
- यदि आपकी त्वचा सेंसिटिव है तो आयोडीन और मड ट्रीटमेंट से एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए सावधानी बरतें। यदि ट्रीटमेंट के दौरान खुजली महसूस हो तो फौरन ही ट्रीटमेंट बंद कर दें।
- कॉस्मेटिक या डर्मेटोलॉजी ट्रीटमेंट लेने से पहले डॉक्टर के अनुभव के बारे में जानकारी अवश्य जुटा लें। इसके लिए उन लोगों से बातचीत कर सकती हैं जो वहां ट्रीटमेंट ले चुके हों।

कलर ऑफ द ईयर मारस्ला

फैशन की दुनिया में रंगों का भी अलग महत्व है। इस बार ट्रेंड बनकर उभरा है मारस्ला कलर। फैशन जगत की नामचीन हस्तियों ने इसे दिया है कलर ऑफ द ईयर का खिताब। दरअसल ड्रेस, फैशन एक्सेसरीज से लेकर होम फर्निशिंग तक सभी में इसका जादू छाया है। रेड और ब्राउन के मिक्स से बना मारस्ला कलर देता है एलीगेंट लुक। इसके साथ ही ये देता है आत्मविश्वास और स्थिरता का संतुष्टि भरा अहसास। परिधानों के मामले में सिल्क और शिफॉन जैसे रिच फैब्रिक इस कलर का ग्रेस बढ़ाते हैं। इस कलर की ड्रेस का चुनाव करने जा रही हैं तो परफेक्ट मिक्स एंड मैच का ख्याल रखें। मारस्ला कलर की ड्रेस के साथ स्कार्फ किसी अन्य कलर का चुन सकती हैं। जहां तक एक्सेसरीज की बात है हैंडबैग, फुटवेयर, बेल्ट इत्यादि में टॉप पर है मारस्ला। इस कलर की एक्सेसरीज को भी आप बना सकती हैं अपना स्टाइल स्टेटमेंट। वहीं मेकअप प्रोडक्ट्स में भी इस रंग का जवाब नहीं। खास बात यह है कि आपकी रंगत कैसी भी हो, सभी पर जंचती है मारस्ला कलर की नेलपॉलिश व लिपस्टिक। नेलपॉलिश में गोल्डन से नेल आर्ट बेहद आकर्षक लगेगी। होम फर्निशिंग की बात करें तो मारस्ला कलर में लेदर के सोफे से लेकर वॉल पेंट तक कुछ भी चुन सकती हैं, किसी भी रूप में मारस्ला का स्पर्श आपके घर को देगा क्लासी लुक। अब देर किस बात की कलर ऑफ द ईयर को अपनाकर निखारें अपना घर और व्यक्तित्व दोनों।

क्या परिवहन अधिकारी राजहंस बस के लिए बंधुआ मजदूर की तरह कर रहे कार्य?

क्या प्रीति हत्याकांड व बस मालिकों पर बम बारी-गोली बारी करने वाले आरोपियों के दबाव में काम कर रहा क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी?

» क्या राजहंस बस के मालिक परिवहन मंत्री के रिश्तेदार... क्या यही वजह है कि इनकी मनमानी है चरम पर है?

» 88.8 के परमिट पर सिर्फ राजहंस बस को कहीं भी जाने की अनुमति? बाकी बस संचालकों को पूरा करना होगा नियम?

» राजहंस से प्रतिस्पर्धा करने वाले सिंहलोक बस को किया जब्त कार्यवाही पर उठा सवाल

-रवि सिंह-

अंबिकापुर/एमसीबी,26 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। बीते सोमवार को बनारस चौक में शाम 8 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक क्षेत्र के नामचीन बस मालिकों ने गुंडागर्दी कर चिरमिरी से बिहार पटना की तरफ जाने वाली सिंहलोक बस को राजहंस बस संचालक और उसके तथा कथित गुर्गों ने रास्ता रोक कर लगभग 2 घंटे तक जबरदस्त ढंग से ड्रामेबाजी की गई, 2 घंटे बाद जब परिवहन विभाग के अधिकारी आए तो बस की जप्त प्रक्रिया संपन्न हुई, जप्ती की कार्यवाही इस आरोप पर किया गया की बस पर परमिट था वह बैध नहीं था, जिस कारण उसी तरह का परमिट में बस संचालन करने वाले बस मालिक अपने घर में बिहार प्रदेश के बस मालिक की बस को जबरदस्ती जप्त करवा दिया, सवाल यह उठता है कि इसी परमिट पर जप्त कराने वाले बैतूल नौशाद वशी उर रहमान और इरशाद आलम अपनी बसें लगातार झारखंड और बिहार में संचालित कर रहे हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि बसे परमिट से लैस हैं, उसके बाद भी उन बसों पर 88.8 परमिट क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के दफ्तर से जारी हो रहा है सवाल यह उत्पन्न होता है कि बिहार प्रदेश की गाड़ियां जिस परमिट पर हमारे प्रदेश में आकर उन्हें अवैध बताकर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जप्त कर रहे हैं, उन्हीं परमिटो को राजहंस बसों को लगातार जारी करके अपने दोहरे मापदंड व कार्यशैली का परिचय दे रहे हैं, जो परमिट हमारे राज्य में अवैध है वही परमिट बिहार प्रदेश में चल रहा है और उसे क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी वैध बताकर लगातार परमिट जारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय रहे कि क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और राजहंस बस संचालक के सांठगांठ और मनमानी अब चरम पर हो चला है, बीते कई महीनों से क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी पंजीकृत बस सीजी 15 एबी 1235 पर बिहार पटना का लगातार 88.8 परमिट देकर बस का संचालन करवा रहे हैं, जो कभी चिरमिरी से पटना चलती है तो कभी अंबिकापुर से पटना जाती है, उसी तरह सीजी 15 एबी 0773 पर भी बिहार पटना का 88.8 परमिट दिया गया है वह गाड़ी भी लगातार बिहार पटना चल रही है वही बिहार की भी कुछ गाड़ियों पर 88.8 परमिट लेकर बैतूल और इरशात कोरबा रायपुर चिरमिरी मनेंद्रगढ़ बसों का संचालन कर रहे हैं, उन पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की और उनके स्पेक्टर गुप्ता और पटेल की नजर नहीं पड़ रही है, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दोहरा मापदंड अपना रहे हैं।

परिवहन अधिकारी राजहंस के खिलाफ एक शब्द भी सुनने को क्यों तैयार नहीं

वही बिहार प्रदेश की सिंहलोक कंपनी की बस जो पिछले दिनों पहली बार अंबिकापुर की तरफ से बिहार की तरफ जा रही थी, उसे बनारस चौक पर कुछ कथित प्रीति हत्याकांड जैसे संगीन अपराध घटित करने वाले आरोपियों के द्वारा रोककर घंटों हुज्जत की गई, एक व्यक्ति अपराधियों को इकट्ठा कर फिर किसी अपराध को अंजाम देने के फिराक में था, खुद भी अपराधी रहा है यही वजह है कि गुंडागर्दी करके किसी अन्य बस संचालक को रोकने का हमेशा प्रयास करता है, बसों में यात्री बैठे थे, जो बस मालिकों की नग्नता को देखकर अपने आप को बेबस महसूस कर रहे थे, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को बस जप्त करने के दौरान सिंह लोक बस के मालिक ने यह भी कहा कि आप मेरी बस पर कार्यवाही करिए लेकिन मेरे कंपटीशन में राजनगर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी से मेरे साथ साथ आ रही बस बीआर 02 पीबी 8287 पर भी कार्यवाही करिए जो मेरे बस के साथ-साथ आ रही है, लेकिन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजहंस के खिलाफ एक शब्द भी सुनने के लिए तैयार नहीं थे और उस बस पर किसी तरह की कार्यवाही भी नहीं की और उस बस को जाने दिया रोका भी नहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजहंस कि उसी 88,8 में चलने वाली बस में सिंहलोक की सवारियों को बैठा कर भेज दिया गया, राजनगर से आ रही थी अंबिकापुर स्थित जिला परिवहन अधिकारी की मनमानी चरम पर है वाह राजहंस बस के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं करना चाहते और उनके पूरे काले कारनामों में बराबर साथ देते आ रहे हैं आखिर वजह क्या है?

कार्यालय में बैठ कर कराई कार्यवाही

बताया जाता है कि जिस दिनसिंह लोक बस जप्त की गई उस दिन दो लोग जिला परिवहन अधिकारी के चेंबर में शाम 4.00 बजे से लेकर 7.00 बजे तक मौजूद थे जिला परिवहन अधिकारी उनके कार में बैठकर कहीं घूमने भी गए थे, उन्हीं की कार में बैठकर अपने फ्लाइंग के स्पेक्टर गुप्ता और पटेल को कहा था कि सिंहलोक नामक बस अभी आ रही हैं उसे जप्त करना है आप इरसाद नामक व्यक्ति से बात कर लीजिए, खबर यह भी है कि उस बस को जप्त करने पर इनाम के तौर पर राजहंस बस संचालक ने लाखों रुपए भी पहुचे, बस संचालक उस मार्ग पर अपना दबदबा रखना चाहता है इसलिए किसी अन्य व्यक्ति को बस संचालित नहीं करने देना चाहता, इसलिए वह बस जप्त कराने के लिए लाखों रुपए अधिकारियों को देकर कार्यवाही कर आता है ऐसा उसका पुराना इतिहास रहा है सिंह लोक बस जप्त करने के लिए रायपुर के किसी अधिकारी से भी जिला परिवहन अधिकारी की बात कराई जा रही थी। ऐसा सूत्रों का कहना है, यह अपुष्ट खबर की घटती घटना पुष्टि नहीं करता है पर जांचा की मांग जरुर करता है।

क्या राजहंस बस के संचालक परिवहन मंत्री छत्तीसगढ़ के रिश्तेदार हैं?

इन दिनों झारखंड और बिहार राज्य में इस बात की भी चर्चा जोरों पर है कि राजहंस बस संचालक के रिश्तेदार परिवहन मंत्री छत्तीसगढ़ में हैं यही कारण है इनके विरुद्ध परिवहन विभाग कोई कार्यवाही नहीं करता? जहां चाहते हैं वहां का परमिट ले लेते हैं इन के विरुद्ध शिकायत करने वाले एक बस कंपनी जिसकी बस अंबिकापुर से रायपुर चलती है उसके 10 मिनट आगे सीजी 15 एबी 0773 पर परमिट लेकर शिकायतकर्ता बस मालिक को बर्बाद कर देंगे ऐसा लगातार बस संचालक बस स्टैंड ओं में धमकी दे रहे हैं, उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री जी से बात हो गई है मंत्री जी ने कहा है कि शिकायतकर्ता बस मालिक की और कहां-कहां गाड़ी चल रही है उनके 10 मिनट आगे आप परमिट ले लो छत्तीसगढ़ प्रदेश के परिवहन मंत्री की दोस्ती और रिश्तेदारी का धौंस देकर इनके द्वारा झारखंड बिहार और छत्तीसगढ़ की सड़कों पर अपना एक तरफा दबदबा बनाया हुआ है कहीं कहीं तो यह बातें भी जन चर्चा में खूब आ रही है कि राजहंस बस संचालक बैतूल मंत्री जी के परिवार के साथ अभी विदेश भी गया था खबर कि हम पुष्टि नहीं करते परंतु ऐसी चर्चा बस संचालकों एजेंटों कंडक्टर के बीच जोरों पर है।

एसटीए के अधिकारी कर रहे नियम विरुद्ध कार्य,राजहंस बस संचालक छत्तीसगढ़ निवासी तो बिहार झारखंड से काउंटर साइन के लिए आए पेपर पर क्यों करते हैं प्रति हस्ताक्षर?

सूत्रों की माने तो राजहंस बस का संचालक बैतूल खान, बशीर रहमान, नौशाट, इरशाट जो छत्तीसगढ़ के निवासी बताते हैं इनके द्वारा द्वारा झारखंड का फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाकर उसी तरह बिहार में फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाकर तीनों राज्य की रिक्तियां पूरी तरह से कब्जा जमाए हुए हैं, राज्य परिवहन प्राधिकार के नियमों के तहत एक मार्ग पर एक परिवार का एक राज्य से 50 प्रतिशत ही रिक्तियां दी जानी है, लेकिन इन लोगों ने सभी राज्य से 100 प्रतिशत रिक्तियां अपने कब्जे में कर रखी हैं सवाल यह उत्पन्न होता है कि जब राज्य परिवहन प्राधिकार रायपुर अपने यहां का निवासी बता कर इस मार्ग का परमिट इन्हें झारखंड और बिहार का बस संचालन करने के लिए दिया गया है तो केवल यह छत्तीसगढ़ के निवासी बंद कर छत्तीसगढ़ की रिक्तियों पर ही बस का संचालन करें लेकिन इनके द्वारा केंद्र सरकार अधिनियम मोटर वाहन 1988 में धारा 69 (1) में स्पष्ट उल्लेख है कि परमिट के लिए प्रत्येक आवेदन उस क्षेत्र के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार में किया जाएगा, जिसमें आवेदक निवास करता है या उसका व्यवसाय का मुख्य स्थान है और (2) में दिए गए प्रावधानों में यह स्पष्ट लिखा है कि आवेदन उस क्षेत्र के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार को किया जाना चाहिए, जिसमें आवेदक निवास करता है या उसका व्यवसाय का मुख्य स्थान है राजहंस बस संचालक परिवहन प्राधिकार के अधिकारियों के आंख में धूल झोंक कर सभी राज्यों से परमिट प्राप्त कर रहे हैं. तो बिहार और झारखंड राज्य से यह किस आधार पर परमिट ले रहे हैं और यदि परमिट ले भी रहे तो हमारे राज्य के अधिकारी उसका सीएसबी कैसे कर दे रहे हैं? राजहंस बस संचालक दूसरे राज्यों की रिक्तियों पर फर्जी निवास प्रमाण पत्र लगाकर वहां से परमिट प्राप्त कर लेते हैं फिर सीएसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य में पेपर लाते हैं तो छत्तीसगढ़ का राज्य परिवहन प्राधिकार के अधिकारी क्या धृतराष्ट्र बन बैठे हैं? जो इन्हीं चुनिंदा नामों के फर्जीवाड़ा करने वाले लोग दूसरे राज्यों का फर्जी निवासी बनकर दूसरे राज्यों से लाए गए अंतर राज्य परमिट लाए गए परमिटो पर सीएस कर रहे हैं? क्या वहां बैठे अधिकारी मार्ग पर किसी का 100 प्रतिशत कब्जा ना हो इस नियम से वाकिफ नहीं है? किसी भी रोड में एक मालिक का जब कब्जा हो जाता है तो वह मनमानी करने लगता है और यात्रियों से गंदा व्यवहार करने लगता है, वही इस नाम के चारों लोग लगातार एसटीए कार्यालय जाते हैं और अधिकारियों से मिलते भी हैं इनके बीच घंटों चर्चाएं भी होती है इसके बाद भी इन्हें बिहार और झारखंड राज्य का किस नियम के तरह से वहां का निवासी मानकर छत्तीसगढ़ के सीएस कर रहे हैं?

प्रदेश भाजपा सह संगठन प्रभारी नितिन नवीन के मार्गदर्शन में भाजपा कोरिया कोर ग्रूप की बैठक हुई संपन्न

-संवाददाता-

बैकुंठपुर 26 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। 25 जुलाई को बैकुंठपुर भाजपा जिला कार्यालय में कोर ग्रुप की बैठक आयोजित की गई।कोरिया जिला भाजपा कोर ग्रूप की बैठक छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश सह संगठन प्रभारी नितिन नवीन के मार्गदर्शन में और भाजपा कोरिया जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री भईया लाल राजवाड़े,जिला संगठन प्रभारी प्रबल प्रताप सिंह जूदेव,जिला सह संगठन प्रभारी परमेश्वरी राजवाड़े,विधानसभा प्रभारी चिंटू राजपाल,विधानसभा विस्तारक विश्वनाथ साहू शामिल रहे।कोरे ग्रुप की बैठक का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कोरिया जिला भाजपा संगठन के सभी मोर्चों,प्रकोष्ठों,के मुख्य पदाधिकारियों से पार्टी की आंतरिक चुनावी गतिविधियों और रणनीतियों को लेकर दिशा निर्देश बावत थी।छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह संगठन प्रभारी नितिन नवीन के द्वारा उपस्थित कोरिया जिला भाजपा के मुख्य पदाधिकारियों से रु ब रू हो अपना मार्गदर्शन दिया गया।बैठक में जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े,जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे,जिला महामंत्री विनोद साहू/पंकज गुप्ता,भाजपा कार्यालय प्रभारी भानू पाल,बैकुंठपुर नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे,लोकसभा प्रभारी शारदा गुप्ता , जिला सह मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,जवाहर लाल गुप्ता,रविशंकर शर्मा,अवधबिहारी जायसवाल,कामता नाथ तिवारी,जगदीश साहू,भैयालाल साहू,सुखदेव राजवाड़े,नरेश्वर रजक,अभिमन्यु मुदली,राजेंद्र चक्रधारी,बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष कुबेर साहू,चरचा मंडल अध्यक्ष अरूण जायसवाल ,सलका मंडल अध्यक्ष गोपाल कृष्ण राजवाड़े, कुडेली मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र साहू,पटना मंडल अध्यक्ष कपिल जायसवाल, बचरापोडी मंडल अध्यक्ष प्यारे साहू इत्यादि के संगठन दायित्व और गतिविधियों की समीक्षा और आगामी विधानसभा चुनाव में सक्रिय अभियान सहित कई अहम जिम्मेदारी को अवगत कराए।

भाजयुमो ने सोनहत विखं में विभिन्न समस्याओं के निदान के लिए एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

कोरिया/सोनहत 26 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। बुधवार को विकास खंड सोनहत क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न समस्याओं को तत्काल दूरस्थ करवाने भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने युवा नेता जिलामंत्री रमेश तिवारी के नेतृत्व में एसडीएम सोनहत के नाम पर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है. भाजयुमो ने पत्र में ग्रापं नौगई के आनंदपुर में मोतीलाल घर के पास, गणेश पण्डाल से खालपारा में,मुरुम डलवाने सलगवां पंचायत में परसाबहरी से मेन रोड तक मुरमीकरण बेलिया से छिगुरा रोड पर मुरुम डलवाने तथा विख के पंचायतों में मनरेगा मजदुरी महीनों से लंबित है जिसका भुगतान कराने व क्षेत्र में स्थापित सभी हैंड पंपों के मरम्मत व रुर्बन योजना तहत पंचायतों में लगे रोड लाईट, विभिन्न स्थानों पर लगे सौलर लाईट (हाई मास्क)की मरम्मत करवाने तथा पण्डो समाज के कुछ लोगों का जाति निवास बनवाने एवं क्षेत्र के अन्य समस्याओं को तत्काल दूरस्थ करवाने की मांग की गई है। इस दौरान भाजयुमो मण्डल उपाध्यक्ष राहुल चौधरी, आशीष जायसवाल मंत्री बालकृष्ण देवांगन, अभिषेक सिंह,सुसांत दुबे प्रदीप राजवाड़े, राजेश देवांगन मन्नु राजवाड़े, तथा भानु पैकरा राजेन्द्र पैकरा अमिर सिंह व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या विधायक के तारीफों के कसीदे पढ़ने वाले पत्रकारों को मिल रहा स्वेच्छानुदान?

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में विगत साढ़े चार सालों में विधायक की नजर में एल्डरमैन,कांग्रेस कार्यकर्ता,पार्षद,एन एस यू आई पदाधिकारी,पत्रकार ही सबसे गरीब और जरूरतमंद

» विधायक के फजीहत के बाद भी पत्रकारों का नाम स्वेक्षानुदान की सूची में शामिल

» गरीब जरूरतमंद लोगों का हक मनेंद्रगढ़ विधायक ने उन्हें बांटा जिन्हे मिलता है शासन से मानदेय

» एल्डरमैन को भी दी विधायक स्वेक्षानुदान राशि,एल्डरमैन भी विधायक की नजर में गरीब जरूरतमंत

» कांग्रेस कार्यकर्ताओं, एनएसयूआई पदाधिकारियों, एल्डरमैन सहित पत्रकारों के परिजनों को मिली विधायक स्वेक्षानुदान राशि

» असली गरीब जरूरतमंद तक शासन की महत्वाकांक्षी योजना विधायक स्वेक्षानुदान पहुंच ही नहीं पा रही

-रवि सिंह-

एमसीबी,26 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ विधानसभा में विधायक स्वेक्षानुदान की राशि के बंदरबांट का मामला फिर एक बार सुर्खियों में है। इस बार विधायक ने एल्डरमैन को भी गरीब जरूरतमंद मानकर स्वेक्षानुदान प्रदान किया है और जो मामला अब सामने है। एल्डरमैन सहित एन एस यू आई पदाधिकारी,कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के परिजनों को जरूरतमंद और गरीब बताकर स्वेक्षानुदान राशि प्रदान की गई है जो जारी सूची देखकर समझा जा सकता है। मनेंद्रगढ़ विधायक द्वारा अपने अब तक के साढ़े चार साल के कार्यकाल के दौरान बांटे गए स्वेक्षानुदान राशि की बात की जाए तो एक बात हर बार सामान्य नजर आएगी की उन्होंने गरीब जरूरतमंद केवल उन्हे ही माना है जो या तो पत्रकार हों,या कांग्रेस के कार्यकर्ता,पार्टी से पार्षद हों,कांग्रेस विचारधारा वाले छात्र संघ एन एस यू आई के पदाधिकारी हों, एल्डरमैन हों या विधायक के बिल्कुल खास हों।

विधायक ने असल जरूरतमंद साथ ही गरीब को कभी यह राशि प्रदान नहीं की जो उनके पूरे कार्यकाल की बड़ी बातों में से एक है। हाल ही में फिर उन्होंने एक सूची जो सामने आई है उसके अनुसार विधायक स्वेक्षानुदान राशि का भुगतान किया है जिसमें लाभार्थी जो गरीब और जरूरतमंद हैं वह एल्डरमैन भी हैं जिन्हे शासन से मानदेय भी मिलता है,जिनकी अपनी निधि भी होती है, कांग्रेस के कार्यकर्ता, एनएसयूआई पदाधिकारी, पत्रकारों के परिजन हैं। अब कौन कितना जरूरतमंद है यह विधायक ने देखकर ही और जांच करके ही उसे यह अनुदान प्रदान किया होगा जो सूची अनुसार सभी के सामने है।

गरीब जरूरतमंद के लिए है शासन की महत्वाकांक्षी योजना विधायक स्वेक्षानुदान राशि

विधायक स्वेक्षानुदान राशि शासन की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके तहत वह गरीब जरूरतमंद को जरूरत पर मदद करने के उद्देश्य से यह अधिकार विधायक को प्रदान करती है की वह आवश्यकता वाले लोगों की पहचान कर उन्हें यह राशि प्रदान करें जिससे उनकी समय पर मदद हो सके। शासन की तरफ से इस मामले ने पूरा अधिकार विधायक को प्रदान किया गया है की वह चिन्हित कर ऐसे लोगों को भुगतान करें जिन्हे असल मायने में मदद की जरूरत हो।

विधायक ने बदल डाली गरीब जरूरतमंद की परिभाषा, स्वेक्षानुदान लेने वाले भी समय समय पर बन जा रहे गरीब और जरूरतमंद, छीन रहे लोगों का हक

मनेद्रगढ़ विधानसभा के वर्तमान विधायक ने गरीब जरूरतमंद शब्द की परिभाषा ही बदल डाली है, उनकी नजर में उनके पूरे कार्यकाल के दौरान गरीब और जरूरतमंद वही है जो पत्रकार है,जो एल्डरमैन है,जो कांग्रेस का कार्यकर्ता है,जो एन एस यू आई छात्र संघ का पदाधिकारी है जो विधायक का खास है या पार्टी से वह पार्षद है, इसके अलावा किसी अन्य को उन्होंने कभी पात्र नहीं पाया जो उनके पूरे कार्यकाल के स्वेक्षानुदान राशि के भुगतान की सूची देखकर कहा जा सकता है। वहीं स्वेक्षानुदान लेने वाले भी महान हैं वह स्वेक्षानुदान लेने गरीब जरूरतमंद बन जा रहें हैं जबकि असल में वह संपन्न हैं और उनसे अधिक किसी अन्य को इसकी जरूरत है। जरूरतमंद का हक और अधिकार विधायक सहित उनके स्वेदशानुदान सूची में दर्ज ऐसे लोग खा जा रहे हैं जिन्हे जरूरत ही नहीं ऐसे अनुदान की जिसपर उनका कम से कम हक भी नहीं।

अपना चेहरा चमकाने भी बांट रहे विधायक स्वेक्षानुदान राशि,चुनाव में मदद का आश्वासन भी स्वेक्षानुदान राशि प्रदान कर ले रहे विधायक,सूत्र

स्वेक्षानुदान राशि मनेंद्रगढ़ विधायक उन्हे ही दे रहें हैं जिनसे उन्हें आने वाले चुनाव में उम्मीद है की वह उन्हे जीत दिलाने में मदद करेंगे,वहीं अपना चेहरा भी वह इसके माध्यम से चमकाने का प्रयास कर रहें हैं,जिन्हे भी यह अनुदान मिल रहा है वह विधायक के ऋणी होते जा रहे हैं और आने वाले समय में वह उन्ही के कसीदे पढ़ेंगे यह भी उनसे आश्वाशन लिया जा रहा है जैसा सूत्र कहते हैं। पत्रकार जिन्हें स्वेक्षानुदान प्रदान किया जा रहा है वह विधायक का महिमा मंडन करेंगे लगातार चापलूसी की हदें पार करते हुए यह भी उनसे आश्वासन लिया जा रहा है यह भी सूत्रों का कहना है

भाजपा नेता चंदन गुप्ता ने आरटीआई से स्वेच्छानुदान की जानकारी निकालकर किया खुलासा

गरीबों और जरूरतमंदों को आकस्मिक आर्थिक मदद के लिए विधायकों को स्वेच्छानुदान व जनसंपर्क निधि जारी करने का अधिकार शासन की ओर से दिया गया है, लेकिन कांग्रेस विधायक है कि मानते ही नहीं। मनेन्द्रगढ़ से कांग्रेस विधायक एक बार फिर स्वेच्छानुदान की राशि के बंदरबांट को लेकर विवादों में घिरे है। विधायक बनने के बाद से चुनावी साल तक स्वेच्छानुदान की राशि विधायक ने रेवड़ी की तरह बांटी है। इस बार विधायक ने अपने विधायक प्रतिनिधि की सास, निजी पीए, एल्डरमैन, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवक कांग्रेस पदाधिकारियों, एनएसयूआई कार्यकर्ताओ, ट्रेड यूनियन नेताओ के पुत्र और पत्रकारो को फिर से स्वेच्छानुदान की राशि बांट दी है। भाजपा नेता चंदन गुप्ता ने आरटीआई से स्वेच्छानुदान की जानकारी निकालकर इसका खुलासा किया है। और स्वेच्छानुदान प्राप्त हितग्राहियों की सूची सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है।

इनको बांट दी स्वेच्छानुदान की राशि

विधायक विनय जायसवाल मनेन्द्रगढ़ से कांग्रेस विधायक है स्वेच्छानुदान की राशि के बंदरबांट का उनका यह पहला मामला नही है इससे पहले स्वेच्छानुदान की राशि के बंदरबांट को लेकर 3 और मामले सामने आ चुके है। विनय जायसवाल ने अपने विधायक प्रतिनिधि और चिरमिरी नगर निगम के पार्षद शिवांश जैन की सास आभा जैन को 5 हजार रुपये। पीए चंद्रभान बर्मन को 3 हजार रुपये। एल्डरमैन बलदेव दास की बेटी साक्षी दास को 20 हजार व एल्डरमैन प्रभाष राय को 3 हजार रुपये। एनएसयूआई जिला महासचिव शुभम सलूजा को 60 हजार रुपए। एनएसयूआई पूर्व ब्लाक अध्यक्ष निखिल यादव को 3 हजार व कांग्रेस से जुड़े जितेंद्र साव के परिजन को 20 हजार रुपये, मंजूर आलम को परिजन को 5 हजार रुपये, बिलाल अंसारी को 10 हजार रुपये बांट दिए। इसके अलावा क्षेत्र के बड़े ट्रेड यूनियन के बड़े नेता बजरंगी शाही के पुत्र प्रिंस शाही को 3 हजार रुपये व एसईसीएल से पेंशन प्राप्त कर्मी प्रदीप प्रधान को 20 हजार रुपए स्वेच्छानुदान का दिया गया है।

पत्रकारो व उनके परिजनों के नाम भी स्वेच्छानुदान

विधायक विनय जायसवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र के पत्रकारो के अलावा दूसरे विधानसभा क्षेत्र के पत्रकारो को भी स्वेच्छानुदान की राशि बांट दी है। विधानसभा क्षेत्र का पता बदलकर न्यूज चैनल के संवाददाता सतीश गुप्ता के पुत्र सुमित गुप्ता के नाम पर 20 हजार रुपये। चिरमिरी के पत्रकार व विधायक विनय जायसवाल के रिश्तेदार श्रीपत राय की पत्नी वंदना राय को 10 हजार रुपये, चिरमिरी के ही पत्रकार कविराज विश्वकर्मा को 5000 रुपये स्वेच्छानुदान के दिए गए है। इससे पहले भी विधायक विनय जायसवाल ने दीवाली मिलन के नाम पर प्रेसवार्ता आयोजित कर मीडिया में चेहरा चमकाने 5 - 5 हजार रुपये का स्वेच्छानुदान लगभग 60 पत्रकारो को दिया था।

अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निरीक्षण में मिला भवन खंडहर

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ने ट्राइबल मंत्री को बताया कि भवन है पूर्ण,रहती हैं उसमें बच्चियां

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)

आपने दुनिया में अजीबोगरीब मामला तो देखा ही होगा जिसमें कई तरह की चीजें देखने को मिलती है लेकिन यहां मामला कुछ और ही है कल छत्तीसगढ़ शासन के नवनियुक्त ट्राइबल मंत्री मोहन मरकाम में सरगुजा संभाग मुख्यालय में आदिम जाति कल्याण विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारियों की बैठक ली थी समीक्षा के दौरान वहां उपस्थित अधिकारियों ने ट्राईबल मिनिस्टर को बताया कि प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत माडीडांड में लोक निर्माण विभाग सरगुजा अंबिकापुर द्वारा वर्ष 2007 08 में 40 लाख की लागत से छात्रावास भवन का निर्माण कराया है जिसमें कक्षा और आवास संचालित है इस पर वहां पर उपस्थित सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर द्वारा बताया गया कि उक्त भवन अधूरा है और उसमें कक्षाएं नहीं लग रही है जिस पर ट्राइबल मंत्री ने वहां उपस्थित अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह को उक्त भवन का निरीक्षण करने का आदेश दिया था जिस पर आज तत्काल मौके पर पहुंचे अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह अपने कर्मचारियों के साथ माडीडांड स्कूल में पहुंचे वहां की स्थिति देख दंग रह गए भवन बिल्कुल अधूरा व जर्जर स्थिति में पड़ा मिला अंदर बरामदे में अरहर की खेती हुई हैं जिसे देखकर वहां उपस्थित जनप्रतिनिधि पत्रकार सभी दंग रह गए भ्रष्टाचार का यह कौन सा नमूना है लाखों की लागत से बनने वाले भवन में इस प्रकार एक विभाग के अधिकारी द्वारा झूठ बोलना समझ से परे है एक सवाल के जवाब में आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप ने कहा कि मैं अपनी रिपोर्ट तत्कालीन मंत्री वह छत्तीसगढ़ सरकार को दूंगा निश्चित ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के ऊपर कार्यवाही की जाएगी।

चुनाव लड़ लूंगा कि नहीं या फैसला हाईकमान का

पत्रकारों से चर्चा करने के दौरान अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने एक सवाल के जवाब पर कहा कि मैं विधानसभा चुनाव लड़ूंगा या नहीं करूंगा इसका फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं बखूबी निभा रहा हूं क्योंकि मैं एक संवैधानिक पद पर हूं इसलिए मैं अभी कुछ नहीं कर सकता

जनपद सभा कक्ष में पक्षकारों की हुई सुनवाई पर राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक

आज छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने जनपद सभाकक्ष में आयोग का सुनवाई रखा जिसमें कुल 12 मामलों में सुनवाई की गई 9 मामले पर सुनवाई करते हुए मामले को नजदीक गलत किया गया ग्रामीण क्षेत्रों से आए कई ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी गई इस दौरान शक्कर कारखाना के अध्यक्ष विद्यासागर सिंह जनपद अध्यक्ष जगत लाल आयाम त्रिभुवन सिंह टेकाम प्यारे लाल नागवंशी अनिल सिंह अधिकारियों में अनुविभागीय अधिकारी दीपिका नेताम मंडल संयोजक प्रमोद गुप्ता जनपद सीईओ निजामुद्दीन तहसीलदार समीर शर्मा सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

नशे के खिलाफ सूरजपुर पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

50 हजार रूपये कीमत के नशीली दवाईयों सहित 2 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला के द्वारा अवैध नशे के कारोबार के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है जिसके बाद से ही थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा नशे के कार्यो में लिप्त लोगों के खिलाफ लगातार ताबड़तोड कार्यवाही करने में जुटी हुई है। इसी क्रम में दिनांक 26.07.23 को थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति सूरजपुर के धान मंडी के पास अवैध नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर शेर मोहम्मद पिता स्व. बलि मोहम्मद उम्र 68 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07 पुराना बाजारपारा सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से लिजेसिक इंजेक्शन 13 नग, एविल इंजेक्शन 25 नग कुल 38 नग नशीली इंजेक्शन जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 20 हजार रूपये है। वहीं दूसरे मामले में मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति सूरजपुर के बस स्टैण्ड गली में नशीली इंजेक्शन रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने फौरन कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर गोलू कसेरा पिता दिलीप कसेरा उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 07, पुराना बाजारपारा सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से टीजेसिक इंजेक्शन 20 नग, एविल इंजेक्शन 34 नग कुल 54 नग जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 30 हजार रूपये है। दोनों ही मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एसआई पियुश कांत चन्द्राकर, एएसआई अरूण गुप्ता, प्रधान आरक्षक राहुल गुप्ता, अदीप प्रताप सिंह, इसित बेहरा, महेन्द्र सिंह, आरक्षक लक्ष्मी नारायण मिर्रे, रामकुमार नायक, राधेश्याम साहू, हरिशंकर सिंह व महिला आरक्षक नीता भण्डारी सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री 29 को रहेंगे कोरबा प्रवास पर करेंगे मेडिकल कॉलेज व पावर प्लांट का भूमिपूजन

-संवाददाता-
कोरबा,26 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 29 जुलाई को कोरबा प्रवास पर रहेंगे इस दौरान जिले को दो बड़ी सौगात देंगे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, कोरबा साँसद ज्योत्सना महंत सहित मंत्रिमंडल के सदस्य व विधायको की गरिमामय उपस्थिति में 29 जुलाई को स्व. बिसाहू दास महंत मेडिकल कालेज भवन व राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी पश्चिम के 1320 मेगावॉट नवीन पावर प्लांट का आधारशिला रखेंगे साथ ही डॉ भीमराव अंबेडकर ओपन ऑडिटोरियम घंटा घर में आयोजित मुख्य समारोह को संबोधित करने के साथ कलेक्ट्रेट में बनाई गई छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कांग्रेसी नेता और पुलिस प्रशासन के अफसर जुटा तैयारियों में ।

सूरजपुर के शासकीय,अर्धशासकीय वाहन चालक एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में राजधानी रायपुर में होगें शामिल

8 सूत्रीय मांगों के लिए 28 जुलाई को होगा आंदोदन

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)

छत्तीसगढ़ शासकीय,अर्धशासकीय वाहन चालक, यांत्रिक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के द्वारा राजधानी रायपुर में 28 जुलाई को आयोजित धरना और शासकीय वाहनों के चक्काजाम आंदोलन में सूरजपुर जिले के भी शासकीय अर्धशासकीय वाहन चालक शामिल होंगे। प्रांतीय निकाय के आव्हान पर जिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इस संबंध में कलेक्टर परिसर वाहन चालक कक्ष में बैठक का आयोजन कर आंदोलन में भाग लेने का निर्णय लिया। बैठक में संघ के प्रदेश महामंत्री रमेश राजवाड़े ने बताया कि संघ के द्वारा आठ सूत्रीय मांगों के समर्थन में यह आंदोलन किया जा रहा है। प्रमुख मांगों में वाहन चालकों प्रारभिक ग्रेड वेतन 2800 रूपये किये जाने, दैनिक वेतनभोगी, सविदाकर्मी और कलेक्टर दर पर कार्यरत कर्मचारियों को नियमित किये जाने, शैक्षिणिक योग्यता के आधार पर वाहन चालकों को भी पद परिवर्तन /पदोन्नति करने, कार्यभारित प्रथा समाप्त कर कार्यभारित कर्मचारियों को नियमित स्थापना में करने, शासकीय विभागों के वाहन मय चालकों के दुरुपयोग पर अंकुश करने, शासन द्वारा विभिन्न विभागों में व्यापम एवं सिधी भर्ती के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी वाहन चालक को प्राथमिकता दी जाये, वाहन चालकों को मोबाईल भत्ता 200 रु. के स्थान पर 1000 रु. करने ,समस्त शासकीय वाहनों का बीमा अनिवार्य रूप से कराने सहित मांग शामिल है। बैठक में संघ के जिलाध्यक्ष परमेश्वर राम देवांगन, मुकेष साहू, संतोष सिंह, जियाउल हुसैन, शंकर रजक, महेन्द्र कुमार देवांगन, देवनंदन सिंह, सुनील सिंह, नरेंद्र गुप्ता,रवि श्रीवास्तव, पंकज सिंह, भुनेश्वर राजवाड़े, सनीत सिंह आदि उपस्थित थे।

चचिया परिसर से निकलते ही हाथी हुआ आक्रामक,गेरावं गांव में मचाया उत्पात

-संवाददाता-
कोरबा,26 जुलाई 2023
(घटती घटना)

कोरबा वन मंडल के गेरावं गांव में 12 हाथियों का दल लगातार दूसरे दिन उत्पात मचाते हुए ग्रामीणों के धान की फसल को रौंद दिया है। कुदमुरा के चचिया परिसर से बाहर निकलते ही हाथी आक्रामक हो गए हैं। हाथियों द्वारा लगातार उत्पात मचाये जाने से ग्रामीण काफी भयभीत है। वन विभाग द्वारा पिछले दो दिनों से क्षेत्र में डेरा जमाए उत्पाती हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन इसमें कोई विशेष सफलता अभी तक नहीं मिल पाई है।

हाथियों का दल वन अमला द्वारा खदेड़े जाने पर कुछ दूर आगे बढ़कर फिर वापस लौट जाता है फलस्वरूप हाथियों का क्षेत्र में आतंक जारी है। बीती रात फिर हाथी द्वारा गेरांव में उत्पात मचाये जाने तथा खेतों में लगे धान की फसल को रौंदे जाने की सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और नुकसानी का आकलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार करने में जुट गया है। कोरकोमा डिप्टी रेंजर श्री केसरवानी ने बताया कि वन विभाग द्वारा हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। गेराव तथा आसपास के गांवों में लगातार मुनादी कराकर ग्रामीणों को सचेत किया जा रहा है। बीती रात हाथियों के उत्पात में कितना

नुकसान हुआ यह आकलन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। लेकिन एक अनुमान के मुताबिक ताजा उत्पात में हजारों रूपये का नुकसान ग्रामीणों को उठाना पड़ा है। उधर कटघोरा वन मंडल के पसान केंदई व जटगा रेंज में हाथियों की सक्रियता लगातार कायम है। यहां बड़ी संख्या में हाथी अलग-अलग झुंडों में विचरण कर रहे हैं। पसान रेंज के बनिया गांव में 05 तथा सेमहरा में 07 हाथियों को विचरण करते हुए देखा गया। जिसके पश्चात ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिस पर उसका अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी में जुट गया है। वन विभाग की ओर से यह कोशिश किया जा रहा है कि हाथी जंगल में ही बने रहे और किसी भी हालत में रिहायसी क्षेत्र में न पहुंच पाये।

संविदा कर्मचारियों को कार्य में 03 दिवस के भीतर उपस्थित होने के दिए गए निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा,26 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छत्तीसगढ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के तहत विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगो के संबंध में अनाधिकृत रूप से निरंतर हड़ताल पर है, जिससे लोकहित / नागरिक सेवाएं तथा शासकीय कार्य प्रभावित हो रही है और लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 की कंडिका 15 (1) के अनुसार आचरण नियम 1965 का उल्लंघन है। छ0ग0शासन गृह विभाग सी अनुभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के आदेश क्रमांक एफ 04-104 / गृह - सी /2023 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 11.07.2023 द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं हेतु (छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिनता निवारण अधिनियम, 1979) की धारा 4 की उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए एस्मा लागू किया गया है। उक्त जारी सूचना उपरांत संबंधित अधिकारी / कर्मचारी के कार्य पर उपस्थित नहीं होने पर एस्मा अंतर्गत कार्यवाही किया जाना प्रावधानित है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एनएचएम, एनयूएचएम अंतर्गत हड़ताल में शामिल सभी संविदा अधिकारी / कर्मचारी को निर्देशित किया गया है कि आप 03 दिवस की समय अवधि के भीतर अपने कर्तव्य स्थल पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति देवें, अन्यथा उपरोक्तानुसार कार्यवाही के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

चोरी के 3 आरोपियों को थाना झिलमिली पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 जुलाई 2023 (घटती घटना)

दिनांक 28.05.23 को भैयाथान निवासी अजय दुबे ने थाना झिलमिली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 17 जुलाई के रात्रि में अज्ञात चोर के द्वारा घर का ताला तोड़कर घर में रखे सामान की चोरी कर लिए है। रिपोर्ट पर धारा 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। थाना झिलमिली पुलिस को अज्ञात चोर की पतासाजी दौरान मुखबीर की सूचना पर राजेश तिवारी पिता शिवनारायण तिवारी उम्र 34 वर्ष ग्राम पासल व शैलेन्द्र तिवारी उर्फ टुररू पिता स्व. विरेन्द्र तिवारी उम्र 34 वर्ष निवासी भैयाथान को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार करते हुए बताया कि चोरी किए गए 1 नग टीव्ही व 1 नग रिसीवर को सत्यनारायण उर्फ लिलीपुट पिता आगर साय निवासी ग्राम पासल को बिक्री किए है जिसके बाद दबिश देकर सत्यनारायण को पकड़ा गया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी का टीव्ही व रिसीवर जप्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली राजेन्द्र साहू, एएसआई ललित तिर्की, प्रधान आरक्षक सुखनंदन सिंह, हेमंत सोनवानी, आरक्षक राकेश सिंह, हेमन्त सिंह, चंद्रदेव मरावी, रामा कुमार, नोविन लकड़ा व भीमेश सिंह आर्मो सक्रिय रहे।

बीसीसीआई ने जारी किया मार्च 2024 तक का कैलेंडर

कुल 16 इंटरनेशनल मैच खेलेगी भारत

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2023। बीसीसीआई ने 25 जुलाई को मार्च 2024 तक का होम कैलेंडर जारी कर दिया है. इसके अनुसार टीम इंडिया मार्च तक कुल 16 इंटरनेशनल मुकाबले खेलेगी. अपने देश में वनडे विश्व कप की शुरुआत से पहले टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन वनडे मैच की सीरीज खेलेगी. दोनों टीमों के लिए यह सीरीज विश्व कप की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम होगी.

अपने घरेलू सीजन में टीम इंडिया कुल 16 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी, जिसमें पांच टेस्ट, तीन वनडे और आठ टी-20 मैच शामिल हैं. साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ जनवरी 2024 में तीन मैच की टी-20 सीरीज खेलेगी. भारतीय टीम वर्ल्डकप 2023 से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के साथ सितंबर में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी. पहला वनडे 22 सितंबर, दूसरा 24 सितंबर और तीसरा 27 सितंबर को खेला जाएगा.

वर्ल्डकप खत्म होने के बाद 23 नवंबर से 3 दिसंबर के दौरान भारत घर पर ऑस्ट्रेलिया के साथ 5 टी-20 मुकाबले खेलेगा. 23 नवंबर, 26 नवंबर, 28 नवंबर, 1 दिसंबर और 3 दिसंबर को इन पांच मुकाबलों का आयोजन होगा. इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें जनवरी-फरवरी में भारतीय दौरे पर आएंगी.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज

1. पहला वनडेः 22 सितंबर, दोपहर 1:30 बजे, मोहाली
2. दूसरा वनडेः24 सितंबर, दोपहर 1:30 बजे, इंदौर
3. तीसरा वनडेः27 सितंबर, दोपहर 1:30 बजे, राजकोट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीजः

1. पहला टी20ः 23 नवंबर, शाम 7:00 बजे, विजाग
2. दूसरा टी20ः26 नवंबर, शाम 7:00 बजे, तिरुवनंतपुरम
3. तीसरा टी20ः 28 नवंबर, शाम 7:00 बजे, गुवाहाटी
4. चौथा टी20ः 1 दिसंबर, शाम 7:00 बजे, नागपुर
5. पांचवां टी20ः 3 दिसंबर, शाम 7:00 बजे, हैदराबाद

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20

1. पहला टी20ः 11 जनवरी, मोहाली
2. दूसरा टी20ः 14 जनवरी, इंदौर
3. तीसरा टी20ः 17 जनवरी, बेंगलुरु

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीजः

1. पहला टेस्टः 25-29 जनवरी, हैदराबाद
2. दूसरा टेस्टः 2-6 फरवरी, विजाग
3. तीसरा टेस्टः 15-19 फरवरी, राजकोट
4. चौथा टेस्टः 23-27 फरवरी रांची
5. पांचवां टेस्टः 7-11 मार्च धर्मशाला

वर्ल्ड कप में 14 अक्टूबर को होगा भारत-पाकिस्तान का मैच

सुरक्षा के चलते हुआ बदलाव

नई दिल्ली, 26 जुलाई 2023। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले की डेट को बदल दिया गया हैं. अब दोनों टीम के बीच मैच 15 को नहीं बल्कि 14 अक्टूबर को खेला जाना हैं. मैच गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं.

पहले ये मुकाबला नवरात्रि के पहले दिन पड़ रहा था ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों ने बीसीसीआई से कार्यक्रम में बदलाव की मांग की थी जिसे अब बदलकर 14 अक्टूबर को कर दिया गया हैं. क्रिकेट का सबसे बड़ा महाकुंभ यानी आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेला जाना है.

ये पहली बार होने जा रहा हैं जब अकेला भारत इस पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा हैं. इससे पहले भी भारत संयुक्त रूप से विश्व कप की मेजबानी कर चुका हैं. क्रिकेट के इस सबसे बड़े महासंग्राम का आगाज़ 5 अक्टूबर से होना है.

सुरक्षा एजेंसियों ने बताया है कि भारत और पाकिस्तान जैसे हाई प्रोफाइल मैच जिसमें लाखों दर्शक स्टेडियम आते हैं ऐसे में सुरक्षा के लिए भारी मात्रा में एजेंसियों और पुलिस की आवश्यकता होगी. लेकिन उस दौरान सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस नवरात्री के इंतजामों में लगी होंगी.।

आईसीसी से हरमनप्रीत को लगा झटका

खराब व्यवहार के चलते कौर 2 मैच के लिए बैन

नई दिल्ली ,26 जुलाई 2023। अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाली वीमेंस टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को आईसीसी से बड़ा झटका लगा हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट कांउसिल ने कौर को 2 इंटरनेशनल मैचों के लिए बैन कर दिया हैं.

दरअसल बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में खराब व्यवहार और अंपायरिंग के स्तर पर सवाल उठाने के लिए टीम इंडिया के कप्तान को 2 इंटरनेशनल मैचों के लिए बैन कर दिया गया है. ऐसे में अब कप्तान आने वाले दो मैचों में टीम के लिए खेलती हुई नजर नहीं आयेगी.

खिलाड़ी ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में आउट होने के बाद गुस्से में अपना बल्ला विकेट पर मारा दिया था. साथ ही उन्होंने मैच खत्म होने के बाद अंपायरिंग के स्तर पर सवाल उठाए. जिसपर अब आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है. आईसीसी ने हरमनप्रीत कौर को 2 इंटरनेशनल मैचों के लिए बैन कर दिया.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम हाल में ही बांग्लादेश के दौरे पर थी. वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले के दौरान हुई घटनों के लिए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर पर बैन लगाया गया है. यह मुकाबला पिछले हफ्ते शनिवार को खेला गया था. हरमनप्रीत कौर पर अंतर्राष्ट्रीय मैच में होने वाली घटना के संबंध में सार्वजनिक आलोचना से संबंधित लेवल 1 के अपराध के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया था.

पाकिस्तान की बिस्माह माहरूफ भी एशियाई खेलों से हटीं

कराची,26 जुलाई 2023। आयशा नसीम के समय से पहले संन्यास के बाद पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम को एक और झटका लगा जब पूर्व कप्तान बिस्माह माहरूफ 'बच्चों के साथ यात्रा नहीं करने' की एशियाई खेलों की नीति के कारण इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता से हट गईं।

पाकिस्तान ने इस तरह आगामी खेलों के लिए अपनी दो शीर्ष खिलाड़ियों को गंवा दिया। आयोजकों ने प्रतिभागी देशों के खिलाड़ियों को खेलों के लिए अपने बच्चों के साथ यात्रा करने की स्वीकृति देने से इनकार कर दिया है जिसके बाद बिस्माह ने एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के महिला क्रिकेट प्रकोष्ठ की प्रमुख तानिया मलिक ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि टीम को एशियाई खेलों में बिस्माह की सेवाएं नहीं मिलेंगी।

तानिया ने पुष्टि की कि बिस्माह को टीम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वह नियमों के काण खेल गांव में अपनी बेटी के साथ नहीं जा पाएंगी।

शतरंज विश्व कप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे गुकेश,हंपी

बाकू (अजरबेजान) ,26 जुलाई 2023। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और आर प्रज्ञाननंदा 30 जुलाई से 24 अगस्त तक यहां होने वाले शतरंज विश्व कप में चुनौती पेश करेंगे।

पुरुष और महिला खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता से 2024 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट (विश्व शतरंज चैंपियनशिप का चैलेंजर तय करने वाला टूर्नामेंट) के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

सत्रह साल के खिलाड़ियों गुकेश और प्रज्ञाननंदा दोनों को पहले दौर में बाई मिली है और वे सीधे दूसरे दौर में उतरेंगे।

गुकेश अपने अभियान की शुरुआत चेंग बॉबी और इस्कांद्रोव मिस्त्रादिन के बीच होने वाले मैच के विजेता के खिलाफ करेंगे। गुकेश को तीसरे दौर में हमवतन एसएल नारायणन से भिड़ना पड़ सकता है बशर्ते वह अपने शुरुआती दो दौर के मुकाबले जीतने में सफल रहें।

प्रज्ञाननंदा दूसरे दौर में सेंटियागो डि मोरा और मैक्सिम लगार्डे के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले अन्य भारतीयों में अर्जुन एरिगेसी, विदित संतोष गुजराती, निहाल सरीन, बी अधिबान, अभिमन्यु पुराणिक और हर्षा भरतकोटि शामिल हैं।

महिला टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई अनुभवी कोनेरू हंपी और डी हरिका करेंगी। इन दोनों को भी पहले दौर में बाई मिली है।

प्रज्ञाननंदा की बहन आर वैशाली, मैरी आन गोम्स, पीवी नंधिधा और दिव्या देशमुख भी महिला टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगी।

विश्व कप 2023 के जरिए शीर्ष दो की जगह शीर्ष तीन खिलाड़ियों को अगले साल अप्रैल में कनाडा के टोरंटो में होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन की नजरें पहली बार विश्व कप जीतने पर टिकी होंगी।

मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन और दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे।

कार्लसन के अलावा इयान नेपोमनियाची, फाबियानो करूआना, हिकारू नाकामूरा, अनीष गिरी, वेस्ली सो और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के अलावा मेजबान अजरबेजान के दिग्गज तेमूर रादजाबोव और शखरियार मामेदयारोव तथा गत चैंपियन पोलैंड के यान क्रिस्टोफ डुडा हिस्सा लेंगे।

महिला वर्ग में सभी की नजरें गत विश्व चैंपियन जू वेनजुन और एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना पर टिकी होंगी।

यशस्वी और मुकेश के प्रदर्शन की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका में होगी

वेस्टइंडीज ,26 जुलाई 2023। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने पदार्पण मैच में धैर्य और प्रवाहमय बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया जो वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का सकारात्मक पहलु रहा लेकिन भारतीय टीम की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका दौरे में होगी। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ इस टेस्ट श्रृंखला में अपेक्षानुरूप जीत हासिल की। भारत का श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना तय माना जा रहा था लेकिन दूसरा टेस्ट मैच बारिश से धुल गया जिससे भारतीय टीम 1-0 से ही जीत दर्ज कर पाई। यह श्रृंखला रोहित शर्मा के लिए कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर महत्वपूर्ण थी और वह इन दोनों भूमिकाओं में पूरी तरह से खरे उतरे। उन्होंने तीन पारियों में 240 रन बनाए। उनके अलावा विराट कोहली ने दो पारियों में 197 रन बनाए। इससे इन दोनों शीर्ष बल्लेबाजों को एकदिवसीय श्रृंखला में भी मदद मिलेगी।

वेस्टइंडीज की टीम में कुशल खिलाड़ियों की कमी है और ऐसे में बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम अपने प्रदर्शन का सही आकलन नहीं कर सकती। उसके बल्लेबाजों की असली परीक्षा दक्षिण अफ्रीका में होगी जहां उन्हें एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे गेंदबाजों का सामना करना होगा। भारत ने वेस्टइंडीज में कुछ नए खिलाड़ियों को आजमाया जिनमें जायसवाल भी शामिल हैं जिन्होंने टेस्ट पदार्पण पर ही 387 गेंदों का सामना किया था। उन्होंने दिखाया कि वह जानते हैं कि उनका ऑफ स्टंप कहां है और कौन सी गेंद को छोड़ना है। अपने इस कौशल से वह गेंदबाजों को थकाने में सफल रहे। जायसवाल ने दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 30 गेंदों पर 38 रन की आक्रामक पारी खेली और दिखाया की जरूरत पड़ने पर बहुत तेजी से रन भी बना सकते हैं। उनकी असली परीक्षा हालांकि दिसंबर 2023 से जनवरी 2025 तक होगी जब भारत को दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है।

इस दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त किए जाने पर अजिंक्य रहाणे को भी हैरानी हुई होगी। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में 89 रन बनाने के बाद यह जिम्मा सौंपा गया था। वेस्टइंडीज में हालांकि उनका बल्ला नहीं चल पाया तथा श्रेयस अय्यर और केएल राहुल के फिट होने के बाद रहाणे को मध्यक्रम में उनके लिए जगह छोड़नी पड़ सकती है। जयदेव उनादकट भी प्रभावित नहीं कर पाए लेकिन अगर वह कुछ अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें विश्वकप तक सीमित ओवरों की टीम में रखा जा सकता है। अर्शदीप सिंह को एशियाई खेलों के लिए भेजा जा रहा है और ऐसे में उनादकट के सामने बाएं हाथ के गेंदबाज के रूप में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। लेकिन विश्वकप के बाद उनके टीम में बने रहने की संभावना नहीं है। घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने विकल्प मुहैया कराए हैं।

उनकी गेंदों में तेजी नहीं है लेकिन उनकी कटर बल्लेबाजों को परेशानी में डालती है और वह तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इस श्रृंखला से यह भी तय हो गया है कि ऋषभ पंत के फिट होने तक इशान किशन टेस्ट मैचों में भी विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। कोना भरत को पांच टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला लेकिन वह उनमें अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित नहीं कर पाए। दूसरी तरफ ईशान किशन ने अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग से प्रभावित किया लेकिन दक्षिण अफ्रीका में उनके लिए शार्ट पिच गेंदों का सामना करना आसान नहीं होगा।

चार तलवारबाजों को वित्तीय सहायता देगा साइ

नई दिल्ली ,26 जुलाई 2023। भारतीय खेल प्राधिकरण चीन के चेगडू में होने वाले विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के लिये चार तलवारबाजों को आर्थिक सहायता देगा। साइ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) के ये चार तलवारबाज अभय कृष्णा शिंदे (एनसीओई पटियाला और टॉप्स खिलाड़ी), दुर्गेश मिलिंद जागीरदार (एनसीओई औरंगाबाद और खेलो इंडिया खिलाड़ी), तन्नू गूलिया और शिक्षा बालोरिया (एनसीओई पटियाला)शामिल हैं। साइ ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' यह टूर्नामेंट तलवारबाजी के सालाना कैलेंडर का हिस्सा नहीं है लेकिन विश्व यूनिवर्सिटी खेलों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अनुभव मिलेगा।

इसी के मद्देनजर साइ ने विशेष मामले के तहत उनकी आर्थिक सहायता का फैसला किया है।''

ये खेल 28 जुलाई से आठ अगस्त के बीच होंगे। इनके लिये क्वालीफाई करने वाले अन्य खिलाड़ियों में हरदीप (पैदल चाल) और ख्याति (ऊंची कूद) एनसीओई बेंगलुरू से है जबकि एनसीओई त्रिवेंद्रम से ताइक्वांडो खिलाड़ियों शिवांगी सी और परसिदा एन ने क्वालीफाई किया है। एनसीओई ईटानगर से वुशु खिलाड़ी सन्मा ब्रहमा भी इन खेलों में भाग लेंगे।

राजवीर देओल की दोनों का टीजर जारी, पालोमा ढिल्लों की भी दिखी झलक

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता सनी देओल के बेटे राजवीर देओल मौजूदा वक्त में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिन उन्होंने अपनी पहली फिल्म दोनों का ऐलान किया था।इसमें उनकी जोड़ी अभिनेत्री पूनम ढिल्लो की बेटी पालोमा ढिल्लों के साथ बनी है।अब निर्माताओं ने दोनों का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें पालोमा और राजवीर एक-दूसरे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर दोनों का टीजर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दो अजनबियों के साथ प्यार की मासूमियत का स्वागत करते हुए, जिनकी मंजिल एक है। जल्द ही सिनेमाघरों में एक नई यात्रा शुरू होगी।फिल्म दोनों के जरिए बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा होगी।गौरतलब है कि इन दोनों के माता-पिता भी पहले फिल्म में नायक-नायिका के तौर पर नजर आ चुके हैं। सनी देओल और पूनम ढिल्लों ने साल 1984 में आई लव स्टोरी फिल्म सोहनी महिवाल में लीड रोल प्ले किया था। अब दोनों के बच्चे एक साथ फिल्म करने जा रहे हैं। मेकर्स ने सोमवार को राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर में राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया बीच पर बैठे और उनकी पीठ कैमरे की तरफ है। फिल्म दोनों के पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये रोमांटिक फिल्म होगी। राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों के डायरेक्शन की जिम्मेदारी सूरज बडज़ात्या के बेटे अवनीश एस बडज़ात्या के कंधे पर है। फिल्म दोनों से अवनीश एस बडज़ात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म दोनों राजश्री प्रोडक्शन की 59वीं फिल्म है। बताते चलें कि अवनीश एस बडज़ात्या ने इससे पहले साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म प्रेम रतन धन पायो में असिस्टेंट डायरेक्टर और फिल्म ऊंचाई में एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। यह फिल्म एक ताज़ा प्रेम कहानी होगी जो आपको मैंने प्यार किया के आकर्षण को फिर से देखने पर मजबूर कर देगी।

मेगा प्रिंस के साथ जुड़ीं मीनाक्षी चौधरी

तेलुगु फिल्म उद्योग में, यह एक प्रसिद्ध चलन है कि स्टार नायक शायद ही कभी अपनी फिल्मों में नायिकाओं को दोहराते हैं, जिससे अभिनेत्रियों का करियर छोटा हो जाता है। हालाँकि, हाल के दिनों में पूजा हेगड़े एक स्टार हीरोइन के रूप में चमकने में कामयाब रही थीं, लेकिन उनकी हालिया प्रतिबद्धताओं के कारण उनकी स्थिति भी बदल गई है। अब, सुर्खियों का केंद्र मीनाक्षी चौधरी पर है, जिन्होंने दो बड़े नामों - पवन कल्याण और महेश बाबू अभिनीत फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ हासिल की हैं।

मीनाक्षी चौधरी, महेश बाबू की आगामी फिल्म गुंटूर करम हीरोइन में दिखाई देने वाली हैं, जो सुपरस्टार के साथ अभिनय करने का उनका पहला अवसर है। यह उपलब्धि उनके करियर में एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में सामने आई है।

इसके अलावा, उनसे वीटी 14 में मुख्य भूमिका के लिए संपर्क किया गया है, जो मेगा प्रिंस वरुण तेज की बहुप्रतीक्षित परियोजना है और करुणा कुमार द्वारा निर्देशित है, जो अपनी कंटेंट-संचालित पहली फिल्म पलासा 1978 के लिए प्रशंसित हैं। फिल्म 27 जुलाई को लॉन्च होने वाली है, और मीनाक्षी चौधरी का संभावित समावेश इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए एक बड़ा बढ़ावा होगा।

वीटी 14 एक महत्वाकांक्षी कहानी का दावा करता है, और करुणा कुमार ने एक प्रभावशाली कथा सुनिश्चित करने के लिए वरुण तेज की भूमिका को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया है। 1960 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित, फिल्म निर्माता उस युग के माहौल को प्रामाणिक रूप से फिर से बनाने के लिए लगन से काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, इन फिल्मी प्रयासों के बीच, लवबर्ड्स वरुण तेज और लावण्या त्रिपाठी ने हाल ही में सगाई कर ली है, और उनकी डेस्टिनेशन वेडिंग की योजना चल रही है। जहां इटली को शादी के गंतव्य के रूप में चुना गया है, वहीं भव्य उत्सव के लिए एक भव्य रिसॉर्ट को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है।

अपनी प्रतिभा और अवसरों के साथ, मीनाक्षी चौधरी निस्संदेह तेलुगु फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बना रही हैं, और उनके प्रशंसक इन आगामी हाई-प्रोफाइल फिल्मों में उनके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

थ्रिलर फिल्म फायर ऑफ लव-रेड 25 अगस्त को रिलीज होगी

अवंति प्राजक्ता आर्ट्स की नवीनतम प्रस्तुति थ्रिलर फिल्म 'फायर ऑफ लव- रेड' के गानों को जी म्यूजिक कंपनी द्वारा जारी किया जा चुका है। इस थ्रिलर फिल्म के संगीत और गानो से 90 के दशक की बेहतरीन संगीतमय फिल्म की महक आ रही है। अब एक बार फिर उसी अंदाज में थ्रिलर फिल्म 'फायर ऑफ लव-रेड' का संगीत सजा है। किसी ने ठीक ही कहा है ओल्ड इज गोल्ड और इस बात में सच्चाई है कि इस फिल्म के सभी गीतों को और ट्रेलर को युट्युब पर बहुत उत्साह के साथ सिनेप्रेमियों ने देखा है और इस फिल्म के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राजीव चौधरी, जगन्नाथ वाघमारे और रेखा सुरेंद्र जगताप के द्वारा संयुक्तरूप से निर्मित इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता अवंतिका दत्तात्रय पाटील हैं। बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक अशोक त्यागी द्वारा निर्देशित थ्रिलर म्यूजिकल फिल्म 'फायर ऑफ लव- रेड' 25 अगस्त को रिलीज होगी। इस थ्रिलर फिल्म में कृष्णा अभिषेक, भारत दाभोलकर, पायल घोष, कमलेश सावंत, शांतनु भामरे, अभिजीत श्वेतचंद्रा और कंचन भोर की मुख्य भूमिका है।

अगस्त से शुरू हो जाएगी विधानसभा निर्वाचन की तैयारी

2 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारम्भिक प्रकाशन,31 अगस्त तक नाम जोड़ने,काटने एवं संशोधन के लिए दावा-आपत्ति लिए जाएंगे

- **12-13 अगस्त एवं 19-20 अगस्त को मतदान केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे विशेष शिविर**
- **4 अक्टूबर को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन**
- **राज्य में अभी 1.96 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत**

रायपुर,26 जुलाई 2023(ए)। प्रदेश में 2 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारम्भिक प्रकाशन के साथ शुरू हो जाएगी निर्वाचन की तैयारी। 2 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारम्भिक प्रकाशन, 31 अगस्त तक नाम जोड़ने, काटने एवं संशोधन के लिए दावा-आपत्ति लिए जाएंगे। 12-13 अगस्त एवं 19-20 अगस्त को मतदान केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे विशेष शिविर। 4 अक्टूबर को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। राज्य में अभी 1.96 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत
विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के पूर्व प्रदेश में निर्वाचक नामावलियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की कार्यवाही चल रही है। पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 2 अगस्त को राज्य में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा फॉर्म-5 में मतदाता सूची के प्रारम्भिक प्रकाशन करने के साथ-साथ 1 अक्टूबर 2023 की अर्हता तिथि के सम्बन्ध में दावा-आपत्ति प्राप्त किए जाने नोटिस जारी किया जाएगा। इसी दिन राज्य में विशेष ग्राम सभा में मतदाता सूची का वाचन भी किया जाएगा।
विधानसभा एवं जिला स्तर पर भी विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजन में मतदाता सूची को शुद्ध बनाने जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। यह मतदाता सूची राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट में भी होस्ट की जाएगी। इसकी एक फोटोयुक्त हार्ड एवं एक फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी जिला स्तर पर बैठक कर प्रदान की जाएगी। मतदाता सूची के प्रारम्भिक प्रकाशन के दिन से 31 अगस्त तक निर्धारित प्रारूपों में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा दावा-आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। 30 दिनों की इस अवधि के दौरान चार दिन, 12-13 अगस्त (शनिवार-रविवार) और 19-20 अगस्त (शनिवार-रविवार) को बूथ स्तर पर विशेष शिविर का भी आयोजन होगा। इस दौरान 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाता

सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।
मृत, डुप्लीकेट या स्थाई रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। पूर्व से पंजीकृत मतदाता के विवरण में किसी प्रकार के संशोधन या स्थानांतरण के लिए फॉर्म-8 भरा जाएगा। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप और वोटर सर्विस पोर्टल भी उपलब्ध हैं। बीएलओ द्वारा फॉर्म भरने के लिए बीएलओ एप का प्रयोग किया जाएगा।
31 अगस्त तक प्राप्त होने वाले दावा-आपत्तियों की साप्ताहिक सूची सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक कर दी जाएगी। साप्ताहिक रूप से इस सूची का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर भी प्रकाशन किया जाएगा। 22 सितम्बर तक सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण कर 4 अक्टूबर 2023 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन फॉर्म-16 में किया जाएगा। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची पुनः वेबसाइट में होस्ट करने के साथ-साथ इसकी एक हार्ड एवं एक सॉफ्ट कॉपी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जिला स्तर पर प्रदान की जाएगी।

सीईओ कंगाले ने कहा छूटे मतदाता वर्ग के लिए सघन प्रोग्राम

छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए पुनरीक्षण के दौरान सघन कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इस दौरान छूटे हुए युवाओं एवं समाज के वंचित वर्गों को अधिक से अधिक जागरूक कर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में चार लाख 25 हजार 698 मतदाता 18-19 आयु वर्ग के हैं। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या एक लाख 47 हजार 364 तथा 767 तृतीय लिंग समुदाय के मतदाता हैं। राज्य में मतदाता सूची का लिंगानुपात 1002 है तथा मतदाता-जनसंख्या अनुपात 64.65 प्रतिशत है। श्रीमती कंगाले ने प्रदेश के नागरिकों से पुनरीक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर मतदाता सूची को और अधिक शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए अधिक से अधिक ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

पिछली सरकार में हुआ शराब घोटाला

- **ईओडब्लू ने 80 अफसरों को किया तलब**
- **ईडी इस सरकार में 2 हजार करोड़ रुपए की शराब गड़बड़ी की जांच कर रही**
- **ईओडब्लू पिछली सरकार के आबकारी घपले में 80 अफसरों को किया तलब**

रायपुर,26जुलाई2023(ए)। प्रदेश का आबकारी महकमा एक बार फिर नोटिस का तलबगार बना हुआ है। ईडी की जांच से उबर नहीं पाए हैं और ईडी के बाद ईओडब्ल्यू उनके पीछे पड़ गया है। ईओडब्ल्यू से आबकारी के 80 से ज्यादा अधिकारीयों-कर्मचारियों को नोटिस जारी कर आज बुधवार को तालाब किया है।
बता दें ईडी भूपेश सरकार के दौरान हुए कथित 2000 करोड़ के शराब घोटाले की जांच कर रही है तो अब ईओडब्ल्यू पूर्ववर्ती रमन सरकार के वक्त हुए कथित आबकारी घपलों की जांच में जुट गई है।
आज नोटिस मिलते ही ईओडब्ल्यू ऑफिस में बयान देने पहुंचे आबकारी अधिकारी। आबकारी में गड़बड़ी की जांच ईओडब्ल्यू ने शुरू कर दिया है। 80 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस मिली है। एक तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) छत्तीसगढ़ में लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की शराब गड़बड़ी में कार्रवाई कर रहा है, तो दूसरी ओर राज्य के आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्लू) ने 2013 से यानी पिछली सरकार के कार्यकाल से लेकर अब तक हुए आबकारी घपले की जांच शुरू कर दी है।
तब से अब तक जिलों से लेकर आबकारी मुख्यालय में पदस्थ 80 से ज्यादा अधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। सभी को पूछताछ के लिए बुधवार को सुबह 11 बजे ईओडब्लू-एसीबी के दफ्तर में बुला लिया गया है। नोटिस ज्यादातर ऐसे अधिकारियों को दिए गए हैं, जो तब डीईओ, गोदाम इंचार्ज, उपायुक्त और आयुक्त के पद पर थे।
जानकारी के अनुसार ईओडब्लू ने अभी सिर्फ आबकारी अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। इसमें रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, मुंगेली समेत सभी जिलों में पूर्व-वर्तमान में पदस्थ अधिकारी हैं।

पूर्व सीएम रमन ने सीएम भूपेश और मंत्री चौबे को लिखा पत्र

- **सीएम भूपेश को जनघोषणा पत्र के वादों को रमन ने दिलाए याद नियमितीकरण, आउटसोर्सिंग अनुकम्पा नियुक्ति पर लें फैसला**

रायपुर,26जुलाई2023(ए)। पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे को कांग्रेस घोषणा पत्र में किये गए वादों की याद दिलाए हैं। एक साथ तीन पत्र लिखकर रमन सिंह ने भूपेश सरकार से जनता से किये गए वादों को पूरा करने कहा है।
छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बुधवार, 26 जुलाई को प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार को तीन पत्र लिखे हैं। इन पत्रों में उन्होंने दो पत्र मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखे हैं। पहले पत्र में उन्होंने लिखा है कि, जन घोषणा पत्र 2018 में नियमितीकरण और आउटसोर्सिंग को खत्म करने की बात कही गई थी।

दूसरे पत्र में उन्होंने दिवंगत शिक्षकों के परिवार जनों को अनुकम्पा नियुक्ति देने की बात कही गयी थी। उन्होंने लिखा है कि, मैं आपसे अनुरोध करता हूं की आप जनघोषणा पत्र के वादों को पूरा करें। तीसरा पत्र उन्होंने शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे को लिखा है, जिसमे उन्होंने शिक्षाकर्मियों को नियमित करने की बात कही है ।

नग्न प्रदर्शन करने वाले युवाओं की जमानत याचिका खारिज

रायपुर,26 जुलाई2023 (ए)। फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे छत्तीसगढ़ में नौकरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए राजधानी में नग्न प्रदर्शन करने वाले सभी प्रदर्शनकारियों की जमानत याचिका कोर्ट ने रद्द कर दिया है।
सूत्रों ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने युवकों के खिलाफ थाना विधानसभा में धारा 146,147, 353, 332, 294 के तहत अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जमानत के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की। जिस पर सुनवाई करते हुए रायपुर तृतीय अपर सत्र न्यायधीश दिलेश कुमार यादव ने जमानत याचिका को

खारिज कर दिया है। ज्ञात हो कि 18 जुलाई को छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र शुरू हुआ था। इसी दिन जब सभी विधायक और मंत्री मानसून सत्र में शामिल होने जा रहे थे तभी फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर युवाओं ने सड़क पर पूरी तरह से नग्न होकर प्रदर्शन किया था।

जानबूझकर रेल सेवा को बाधित कर रही मोदी सरकार : दीपक बैज

रायपुर, 26 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से ट्रेन काफी ज्यादा लेट चल रही है। प्रदेश के कई नेता केंद्र को इस बात से अवगत भी करा चुके हैं, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया गया। वहीं अब इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने ट्वीट कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

चीफ दीपक बैज ने कहा कि, केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। केंद्र हमारी सुविधाओं को प्राथमिकता नहीं देती। दीपक बैज ने आगे कहा कि, हमारे संसाधनों का दोहन करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। मोदी सरकार जानबूझकर रेल सेवा को बाधित कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हम गड़बड़ियां ठीक करेंगे 23 के बाद 24 में भी आएंगे।

संविदा कर्मियों ने घुटनों के बल चल कर और दंडवत होकर निकाली रैली

रायपुर,26 जुलाई2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित तूता धरना स्थल पर लगातार अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों संविदा कर्मचारियों ने बुधवार को घुटनों के बल चलकर और दंडवत होकर संवाद रैली निकाली। इस दौरान हड़ताली संविदा कर्मचारियों ने सरकार से 3 दिन के अंदर संवाद करने की मांग की है। इस रैली में हजारों की संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।

3 दिन के भीतर बात करने रखी मांग

मिली जानकारी के अनुसार, इस संवाद रैली में जशपुर, बलरामपुर, दंतेवाडा, बीजापुर और सुकमा से सुबह से ही संविदा कर्मचारी तूता पहुंचे हैं। इस रैली का नेतृत्व घुटनों के बल चलने वाले, दंडवत चलने वाले, दिव्यांग और महिलाएं अपने बच्चों को लेकर धरना स्थल में पहुंची। इस दौरान सभी ने

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से संवाद करने की मांग रखी। इस रैली के जरिए सरकार को संवाद करने के लिए कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपा। इसके जरिए उन्होंने संवाद करने की मांग रखी है। वहीं सरकार की ओर से दिए गए 3 दिन के अल्टीमेटम को लेकर संगठन का कहना है कि, सरकार 3 दिवस के भीतर हमसे संवाद करे।

छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक घोटाले में पूर्व सांसद समेत इन लोगों को मिली सजा

रायपुर,26 जुलाई2023 (ए)। छत्तीसगढ़ कोल ब्लॉक घोटाले के मामले में दिल्ली की कोर्ट ने दोषियों को सजा सुनाई है। बता दें कि कुछ साल पहले कोर्ट ने इन सभी को दोषी करार दिया था। मगर अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोल ब्लॉक के आवंटन से जुड़े घोटाले में पूर्व कांग्रेस सांसद विजय दर्डा और उनके बेटे देवेंद्र दर्डा के अलावा यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर मनोज कुमार जायसवाल को 4 साल की सजा सुनाई गई है।राउज़ एवेन्यु कोर्ट मामले में कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा पर 15 लाख का जुर्माना लगाया है। देवेंद्र दर्डा को 4 साल की सज़ा और 15 लाख का जुर्माना लगाया गया है। वहीं यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयसवाल को भी 4 साल की सज़ा के साथ 15 लाख का जुमार्ना देने को कहा गया है। वहीं पूर्व कोयला सचिव एच सी गुप्ता को 3 साल की सजा दी गई और 10 हज़ार का जुर्माना लगा दिया गया है। कोर्ट ने आईपीसी की धारा 120क्ह 420 और भ्रष्टाचार से जुड़ी धाराओं के तहत दोषी ठहराया है।

छत्तीसगढ़ में फसल बीमा अधिसूचना जारी की गई

इंश्योरेंस कराने के लिए केवल 6 दिन

रायपुर,26 जुलाई2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना को देरी से जारी किए जाने के कारण प्रदेश के करीब 13 लाख किसानों को 6 दिन के अंदर प्रधानमंत्री फसल बीमा करना होगा। इसके लिए तीन बीमा कंपनियों को चयनित किया गया है। वहीं कम समय होने के कारण सोसायटियों में किसानों की भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है।
मिली जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश के 13 लाख किसानों को 6 दिन के भीतर प्रधानमंत्री फसल बीमा करवाना होगा। राज्य शासन ने फसल बीमा कराने के लिए तीन बीमा कंपनियों को चयनित किया है, लेकिन कम समय होने के कारण फसल बीमा कराने के लिए सोसायटी ओं में किसानों की भीड़ उमड़ सकती है। बता दें कि राज्य

सरकार ने इस बार फसल बीमा की अधिसूचना जारी करने में देरी कर दी है। हर साल 15 जुलाई तक किसानों से प्रीमियम राशि वसूल कर ली जाती थी और बीमा कर दिया जाता था। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा के अंतर्गत खरीफ फसल के लिए बीमा कंपनी को खोल बीमित राशि का 2त्न प्रीमियम किसानों को देना होगा। अधिसूचना क्षेत्र व फसल के लिए अलग-अलग संस्थाओं से कृषि ऋ्रष्टा स्वीकृत होने की स्थिति पैदा होने की स्थिति में एक ही स्थान से बीमा कराया जाना है। इसकी सूचना के संबंध में दस्तावेज को निरस्त करने का अधिकार इंश्योरेंश कंपनी का होगा।
पिछले साल खरीद में प्रदेश के 98 लाख किसानों ने 32.19 हेक्टेयर में धान की फसल लगाई थी। इसमें प्रदेश के अलग-अलग जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अंतर्गत 14 लाख 54 हजार 701 किसानों ने 15 लाख 9 हजार 356 हेक्टेयर की धान फसल का बीमा करवाया था जिनका बीमा धन 6 हजार 734 करोड़ रुपए से ज्यादा था। जिन किसानों ने प्रीमियम के रूप में 136 करोड़ 66 लाख रुपए जमा किए थे। पिछले वर्ष प्रदेश में 4 लाख 3 हजार 52 किसानों को उनकी फसल नुकसान होने पर क्षतिपूर्ति के रूप में 143 करोड़ 11 लाख 53 हजार रुपए मुआवजे के रूप में दिए गए थे।

स्टेनो टाइपिस्ट पर गिरी निलंबन की गाज

वायरल हुआ था रिश्वत लेते वीडियो

बिलासपुर ,26 जुलाई2023 (ए)। ग्रामीणों से काम के एवज में रिश्वत लेने वाले स्टेनो टाइपिस्ट को निलंबित किया गया है। बिल्हा की नायब तहसीलदार विनीता शर्मा के कोर्ट में जगन्नाथ धुरी स्टेनो टाइपिस्ट के पद पर पदस्थ था। उसके खिलाफ ग्रामीणों से कार्य के एवज में अवैधानिक रूप से राशि की मांग करने के संबंध में वीडियो सोशल मीडिया में प्रसारित हुआ था।

कलेक्टर सौरभ कुमार ने जांच के आदेश दिए थे। बिल्हा एसडीएम ने मामले की जांच कर प्रतिवेदन सौंपा था। अपने प्रतिवेदन में स्टेनो टाइपिस्ट के कृत्य को सिविल सेवा आचरण संहिता के विपरीत पाए जाने का उल्लेख एसडीएम ने किया था। जिसके बाद बिल्हा तहसील के स्टेनो टाइपिस्ट जगन्नाथ धुरी को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका कार्यालय तहसील कार्यालय तखतपुर नियत किया गया है।

सरकार के कामकाज से खुश होकर कांग्रेस में हुए शामिल

केशकाल ,26 जुलाई2023 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर ग्राम पडडे, कुएं व पलोरा के 50 से अधिक लोगों ने आज कांग्रेस में प्रवेश किया है। इनमें से कुछ ऐसे लोग भी हैं जो पहले भाजपा के कार्यकर्ता थे और अब कांग्रेस में शामिल हुए हैं। इसके पहले आज केशकाल विकासखंड अंतर्गत निवासरत ग्रामीणों को अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम के तहत वन अधिकार मान्यता पत्र एवं ऋ्रष्टा पुस्तिका केशकाल विधायक संतराम नेताम के हाथों से करीब 100 ग्रामीणों को बांटा गया है। अबतक केशकाल विधानसभा के 4000 से अधिक ग्रामीणों को वन अधिकार मान्यता पत्र वितरण किया जा चुका है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)